www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 126 || लखनऊ
बुधवार
05 अगस्त 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com
दैनिक
तमसा संकेत
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:33
सूर्यास्तः 06:52
अधिकतमः 30°00
न्यूनतमः 27°00



पेज 07

विशेष समाचार | लखनऊ किसानों को ... >>पेज 04 | शिया समुदाय ने निकाला ... >>पेज 06 | 10 साल बाद नेटफ्लिक्स पर ...

विधानसभा में विपक्ष के हंगामे पर सीएम योगी का तंज, हंगामे पर भड़के महाना, माइक फेंका, चिल्लाकर खड़े हुए

'सपा का आचरण सदन की मर्यादा के खिलाफ'

हंगामा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी विधानसभा में मंगलवार को राम मंदिर के चढ़ावा चोरी पर जमकर हंगामा हुआ। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सपा विधायक सचिन यादव को पूरे सत्र के लिए सदन से निष्कासित कर दिया। इसके बाद सचिन यादव विधानसभा के बाहर धरने पर बैठ गए। अतुल प्रधान समेत 20 से अधिक सपा विधायक भी पहुंचे।

>> (शेष पेज 06 पर)

सपा विधायकों का आचरण शर्मनाक

सीएम योगी ने विधानसभा में कहा- यह मानसून सत्र है। सदस्यों के पास जनता से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करने का अवसर था, लेकिन इनका लोकतांत्रिक मूल्यों पर विश्वास नहीं है।

सीएम योगी ने विधानसभा के बाहर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा- सपा का आचरण अलोकतांत्रिक है। ये लोग किसी नियम को नहीं मानते। सदन का अपमान करते हैं। चुनाव आयोग और न्यायालय का भी अपमान करते हैं। ये लोग तर्कहीन मुद्दे उठाकर भ्रामक प्रचार करते हैं। आज सपा ने सदन में अध्यक्ष पीठ की अवमानना किया गया, मार्शलों के साथ मारपीट और धक्का-मुक्की का प्रयास किया गया। ये अत्यंत शर्मनाक है।



किस विभाग को कितना बजट मिला-

- भारी एवं मध्यम उद्योग: 22,107.88 करोड़
- ग्राम विकास: 17,942.73 करोड़
- ऊर्जा: 7,422.27 करोड़
- चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण: 6,025 करोड़
- समाज कल्याण: 1,655 करोड़
- महिला कल्याण: 1,094.40 करोड़
- लोक निर्माण विभाग: 700.01 करोड़

सपा विधायक अतुल प्रधान बोले- तानाशाही और घोटालों पर चुप नहीं बैठेंगे

सपा विधायक अतुल प्रधान ने कहा कि सपा विधायकों ने सरकार को बताया कि आपकी तानाशाही हर जगह नहीं चल पाएगी। आज इन्होंने सदन के अंदर भी जिस तरीके से मार्शलों का इस्तेमाल करने की कोशिश की। सपा के लोग अड़ गए। मार्शलों ने हमारी महिला विधायकों के साथ बदतमीजी करने का काम किया।



■ सपा विधायक सीएम योगी की फोटो लहरा रहे थे। यह देखकर महाना खड़े हो गए। उन्होंने माइक फेंककर चिल्लाते हुए विधायक को ऐसा करने से रोका।

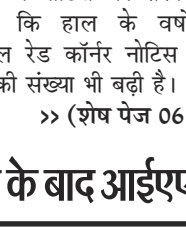
विधानसभा सत्र में किस दिन क्या होगा

यूपी विधानसभा का मानसून सत्र 3 से 6 अगस्त तक चलेगा। चार दिनों में सदन में अलग-अलग काम होंगे।

- 3 अगस्त- सदन में दिवंगत विधायकों को श्रद्धांजलि दी गई।
- 4 अगस्त- सरकार की ओर से अध्यादेश, अधिसूचनाएं, नियम और दूसरे जरूरी दस्तावेज सदन के पटल पर रखे जाएंगे। नए विधेयक पेश किए जा सकते हैं। दोपहर 12:20 बजे वित्त 2026-27 के अनुपूरक बजट की मांगें पेश की जाएंगी।
- 5 अगस्त- सदन में विधायी काम होंगे। यानी नए कानूनों से जुड़े विधेयकों पर काम किया जाएगा। इसके अलावा जरूरत के मुताबिक दूसरे काम भी हो सकते हैं।
- 6 अगस्त- अनुपूरक बजट की मांगों पर चर्चा होगी। मांगों पर वोटिंग होगी। इसके बाद अनुपूरक बजट से जुड़े विनियोग विधेयक को पेश कर उस पर चर्चा और मतदान होगा। इसके अलावा विधायी काम भी होंगे।

यूपी विधानसभा में पोस्टर दिखाने पर सपा विधायक बाहर निकाले गए

पी विधानमंडल में मॉनसून सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मुद्दे पर जमकर हंगामा हुआ। सपा और कांग्रेस ने इसको लेकर सदन में नारेबाजी की। इस दौरान जैसे ही सीएम योगी बोलने के लिए खड़े हुए, सपा विधायक सचिन यादव ने हाथ में एक पोस्टर लहराया जिसमें सीएम की फोटो के साथ चढ़ावा चोरी को लेकर कई सवाल पूछे गए थे। इस वजह से विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सचिन यादव को पूरे सत्र के लिए बाहर कर दिया। इस दौरान सपा की महिला विधायकों ने सचिन यादव को घेर लिया ताकि मार्शल उनको बाहर ना ले जा सके। इसके बाद महिला मार्शल बुलाई गईं तब जाकर स्थिति नियंत्रित हुई।

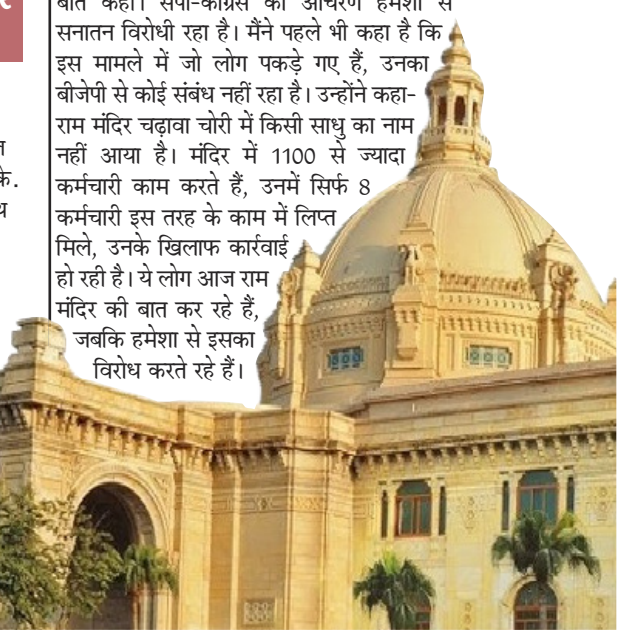


सचिन यादव के समर्थन में धरने पर बैठे 20 से ज्यादा सपा विधायक

विधानसभा परिसर में धरने पर बैठे सपा विधायक सचिन यादव के समर्थन में पार्टी के 20 से अधिक विधायक भी पहुंच गए। इनमें रागिनी सोनकर, अतुल प्रधान, ओमप्रकाश सिंह, कमाल अख्तर और आर.के. वर्मा प्रमुख रहे। सभी विधायक सचिन यादव के साथ धरने पर बैठ गए और उनके निष्कासन के खिलाफ विरोध जताया। विधानसभा परिसर में धरने पर बैठे सपा विधायक सचिन यादव को मनाने के लिए नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय, वरिष्ठ नेता बलराम यादव और ओम प्रकाश सिंह पहुंचे।

सपा ने राम मंदिर की गलियों को रक्तरंजित किया

विधानसभा के बाहर सीएम योगी ने कहा- सरकार पहले ही स्पष्ट कर चुकी है कि राम मंदिर ट्रस्ट में उसका कोई हस्तक्षेप नहीं है। यह ट्रस्ट सरकार ने नहीं, बल्कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद बना था। इसके बावजूद सपा के लोगों ने इसे लेकर तमाम आरोप लगाए और उल्टी-सीधी बातें कहीं। सपा-कांग्रेस का आचरण हमेशा से सनातन विरोधी रहा है। मैंने पहले भी कहा है कि इस मामले में जो लोग पकड़े गए हैं, उनका बीजेपी से कोई संबंध नहीं रहा है। उन्होंने कहा- राम मंदिर चढ़ावा चोरी में किसी साधु का नाम नहीं आया है। मंदिर में 1100 से ज्यादा कर्मचारी काम करते हैं, उनमें सिर्फ 8 कर्मचारी इस तरह के काम में लिप्त मिले, उनके खिलाफ कार्रवाई हो रही है। ये लोग आज राम मंदिर की बात कर रहे हैं, जबकि हमेशा से इसका विरोध करते रहे हैं।



सपा पर राजा भैया भड़के, कहा- इन्होंने चवन्नी का चंदा भी नहीं दिया

सपा विधायकों के हंगामे पर प्रतापगढ़ की कुंडा सीट से विधायक राजा भैया नाराज हो गए। उन्होंने कहा- भारत में संविधान का शासन है। ऐसा नहीं है कि चौराहे पर गोली मार दी जाए या फांसी पर चढ़ा दिया जाए। चढ़ावा चोरी पर सबसे ज्यादा घड़ियाली आंसू वही लोग बहा रहे हैं, जिन्होंने चवन्नी का चंदा भी नहीं दिया। उन्होंने कहा- चंदा देना तो दूर की बात है, जिनकी इच्छा थी कि श्रीराम मंदिर कभी बने ही नहीं, उनका असली चेहरा जनता के सामने आ रहा है।

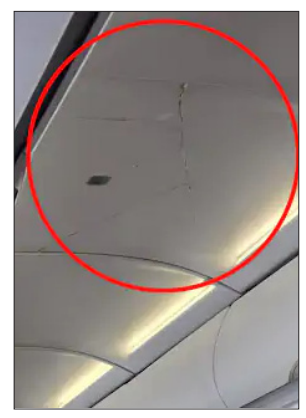
एअर इंडिया के विमान में भयानक टर्बुलेंस से 17 लोग हुए घायल

- घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद व्हीलचेयर पर एयरपोर्ट से बाहर लाया गया।
- पैसेंजर को सिर में चोट लगी है। उसे स्ट्रैचर पर एयरपोर्ट से बाहर लाया गया।

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। थाईलैंड के फुकेट से दिल्ली आ रही एअर इंडिया फ्लाइट AI2379 मंगलवार को टर्बुलेंस, यानी तेज हवा के झटकों में फंस गई। अचानक 300 फीट तक नीचे आ गई। हालांकि, पायलट ने स्थिति संभाली और फ्लाइट को दिल्ली एयरपोर्ट पर सुबह 11:07 बजे सुरक्षित उतार लिया। प्लेन में 137 यात्री और 8 क्रू मेंबर्स सवार थे।





संसद में राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले पर हंगामा

खड़गे बोले- ईडी कहां है, रिजिजू ने कहा- विपक्ष घड़ियाली आंसू बहा रहा

विरोध

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के 12वें दिन राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर दोनों सदनों में जमकर हंगामा हुआ। मंगलवार को लोकसभा की कार्यवाही सिर्फ 19 मिनट चल पाई। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने इस दौरान टैक्स संशोधन से जुड़े बिल पेश किए। इसके बाद सदन बुधवार तक के लिए स्थगित हो गई। राज्यसभा की कार्यवाही दिन में दो बार स्थगित हुई। 11 बजे कार्यवाही शुरू होने के आधे घंटे के भीतर स्थगित भी हो गई। दोपहर 12 बजे कार्यवाही दोबारा शुरू हुई, लेकिन 20 मिनट ही चल पाई। दोपहर 2 बजे कार्यवाही फिर शुरू हुई। इससे पहले राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के बीच बहस हुई। खड़गे ने कहा- राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का गठन केंद्र सरकार ने किया था। ट्रस्ट को 70 एकड़ से ज्यादा जमीन सौंपी। पीएम खुद राम मंदिर से जुड़े हर आयोजन में शामिल हुए।



फास्ट न्यूज

अनशन करो, लाठी खाओ फिर इस्तीफा दूंगा : प्रियांक खड़गे

कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खरगे ने सोमवार को कहा कि जो लोग उनके इस्तीफे की मांग कर रहे हैं, उन्हें पहले 25 दिन भूख हड़ताल पर बैठना चाहिए और फिर लाठीचार्ज का सामना करना चाहिए। दौरान ओएमआर शीट के सीरियल नंबर प्रश्न पत्र से मेल नहीं खा रहे थे।

रांची में दिल्ली जैसा छात्रों का आंदोलन

रांची। झारखंड की राजधानी रांची में JPSC और JSSC पेपर लीक को लेकर पिछले 10 दिनों से छात्रों का प्रदर्शन जारी है। रांची के जयपाल सिंह स्टेडियम में छात्र दिल्ली के जंतर-मंतर की तर्ज पर आंदोलन कर रहे हैं। छात्रों की मांग है कि JPSC और JSSC की परीक्षाएं रद्द की जाएं और पेपर लीक करने वालों पर कार्रवाई की जाए। अपनी बात सरकार तक पहुंचाने के लिए छात्रों ने मशाल जुलूस समेत कई तरह के प्रदर्शन किए हैं। 10 दिन बीत जाने के बाद राज्य सरकार छात्रों से बातचीत के लिए तैयार हुई है।

महाराष्ट्र की डिप्टी सीएम को कांग्रेस ने कहा 'गूंगी गुड़िया'

मुंबई। महाराष्ट्र में मंगलवार को एक राजनीतिक विवाद शुरू हो गया, जब कांग्रेस ने महाराष्ट्र की डिप्टी सीएम सुनेत्रा पवार के लिए 'गूंगी गुड़िया' शब्द का इस्तेमाल किया। कांग्रेस की इस टिप्पणी पर एकनाथ शिंदे ने कड़ी प्रतिक्रिया जाहिर की है शिंदे ने कहा कि कांग्रेस को महाराष्ट्र की पहली महिला डिप्टी सीएम के खिलाफ अपनी टिप्पणी पर शर्म आनी चाहिए।

7 साल में 274 भगोड़े भारत लाए

सरकार बोली- 36 देशों से प्रत्यर्पण, ₹17,874 करोड़ की संपत्ति भी अटैच

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मंगलवार को कहा कि पिछले सात वर्षों में 36 देशों से 274 भगोड़ों को भारत वापस लाया गया है। यह 2004-13 के दौरान हर साल औसतन चार प्रत्यर्पण की तुलना में 10 गुना अधिक है। साथ ही भगोड़ों की 17,874 करोड़ की संपत्ति भी अटैच की गई। सरकार के मुताबिक, 2019 से जुलाई 2026 तक वापस लाए गए 274 भगोड़ों में 9 आर्थिक अपराध, 17 आतंकवाद, 42 संगठित अपराध, 62 हत्या, लूट और हिंसक अपराध, 53 यौन अपराध और



बच्चों के खिलाफ यौन अपराध, 16 मादक पदार्थों की स्मगलिंग, 12 नकली करंसी की तस्करी, 18 मानव तस्करी और 45 अन्य मामलों में वांछित थे। सरकार ने बताया कि हाल के वर्षों में इंटरपोल रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने की संख्या भी बढ़ी है।

>> (शेष पेज 06 पर)

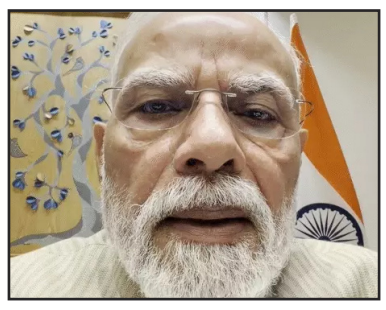
सरकार का मेटा ग्लोबल टीम को समन

यौन शोषण कंटेंट कंट्रोल में चूक का मामला, नेताओं और वीआईपी अकाउंट्स पर गलत कार्रवाई पर जवाब मांगा

तमसा संकेत, एजेंसी

भारत सरकार और मेटा की ग्लोबल टीम के बीच 5 और 6 अगस्त को एक अहम बैठक होने जा रही है। केंद्र सरकार ने फेसबुक और इंस्टाग्राम की मूल कंपनी मेटा के प्रतिनिधियों को समन भेजकर तलब किया है। केंद्र सरकार इस बैठक में चाइल्ड सेक्सुअल एब्यूज मटीरियल यानी CSAM पर लगाम लगाने में हुई चूक, फर्जी/सिंथेटिक एआई कंटेंट और बड़े नेताओं के वेरिफाइड अकाउंट्स पर गलत कार्रवाई जैसे संवेदनशील मुद्दों को उठाएगी। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने मेटा द्वारा अब तक दिए गए जवाबों को नाकाफी माना है। मेटा केवल VIP पोस्ट हटाने के मामले में ही नहीं, बल्कि सुरक्षा संबंधी अन्य गंभीर मामलों में भी जांच के दायरे में है। इससे पहले इंस्टाग्राम पर पेड एड्स यानी प्रायोजित विज्ञापनों के जरिए चाइल्ड CSAM के प्रचार-प्रसार को लेकर सरकार ने मेटा कोकारण बताओ नोटिस जारी किया था।

यह बैठक हाल ही में फेसबुक पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक वीडियो पोस्ट के कुछ समय के लिए हट जाने के विवाद के बाद तय की गई है। इस घटना के बाद सरकार ने मेटा के प्लेटफॉर्म्स की कंटेंट मॉडरेशन नीतियों, ऑटोमेटेड सिस्टम और बिग-टेक कंपनियों की जवाबदेही पर निगरानी सख्त कर दी है। हालांकि, सूत्रों के मुताबिक मेटा ने पीएम मोदी के वीडियो के हटने पर खेद व्यक्त किया है और वह इसके लिए औपचारिक माफी मांगने को भी तैयार है।



पीएम मोदी की पोस्ट हटने के बाद बढ़ी सख्ती

दरअसल, पीएम मोदी ने 23 जुलाई को पेपर लीक को गंभीर विषय बताते हुए एक वीडियो जारी किया था। इसे मेटा ने रात 12:30 बजे से सुबह 5:00 बजे तक हटा दिया था। लेकिन बाद में उसे रिस्टोर कर दिया गया। मेटा ने अपनी सफाई में कहा कि दरअसल, यह एक टेक्निकल एरर था।



तबादले : आईपीएस पति के बाद आईएएस सौम्या अग्रवाल का भी कद घटाया, दोनों शंकराचार्य विवाद से चर्चा में आए थे

यूपी में 13 आईएएस का ट्रांसफर, 4 कमिश्नर बदले गए

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी सरकार ने मंगलवार को 13 IAS अफसरों के तबादले कर दिए। इनमें गोरखपुर, बस्ती, बरेली और प्रयागराज के मंडलायुक्त यानी कमिश्नर भी शामिल हैं। शासन ने दोपहर करीब 3:15 बजे ट्रांसफर लिस्ट जारी की। प्रयागराज की पहली महिला कमिश्नर सौम्या अग्रवाल को हटाकर उन्हें प्रदेश का श्रम आयुक्त बनाया गया है। सौम्या अग्रवाल, IPS मोहित गुप्ता की पत्नी हैं। 18 जनवरी, 2026 को प्रयागराज माघ मेले में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद से हुए विवाद में उनका नाम सुर्खियों में आया था। हाल ही में आईजी मोहित गुप्ता का भी ट्रांसफर एंटी करप्शन ऑर्गनाइजेशन में किया



गया है। सौम्या अग्रवाल की जगह डॉ. लोकेश एम को प्रयागराज का नया कमिश्नर बनाया गया है। इंटरमीडिएट तक पढ़ाई लखनऊ में हुई है। दिल्ली विश्वविद्यालय से इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल करने के बाद पुणे के एक सॉफ्टवेयर कंपनी में जॉब की। फिर इनका झुकाव सिविल सर्विसेज की ओर हुआ और पहले ही प्रयास में लोक सेवा आयोग की परीक्षा 24वीं रैंक हासिल की। पिता ज्ञान चंद्र अग्रवाल रेलवे में सिविल इंजीनियर रहे हैं। गोरखपुर कमिश्नर पद से हटा दिया गया है। उन्हें यूपी आवास एवं विकास परिषद का आयुक्त बनाया गया है। साथ ही नगर भूमि सीमांकन के निदेशक और आवास एवं शहरी नियोजन विभाग के सचिव की भी जिम्मेदारी दी गई है।

>> (शेष पेज 06 पर)

बलकार सिंह को यूपीसीडा की जिम्मेदारी

- पीसीडीएफ के प्रबंध निदेशक वैभव श्रीवास्तव अब मंडलायुक्त बस्ती होंगे।
- गृह एवं सतर्कता विभाग के सचिव प्रकाश बिन्दु को पीसीडीएफ का प्रबंध निदेशक बनाया गया।
- पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के एमडी शम्भु कुमार को मंडलायुक्त बरेली बनाया गया।
- राजस्व परिषद प्रयागराज के सदस्य (न्यायिक) संदीप कुमार को पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम का प्रबंध निदेशक बनाया गया।
- गोरखपुर विकास प्राधिकरण के सचिव पुष्प राज सिंह को अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, नोएडा नियुक्त किया गया।
- नोएडा के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी सतीश पाल को विशेष सचिव गृह विभाग बनाया गया।
- आवास आयुक्त बलकार सिंह को मुख्य कार्यपालक अधिकारी, उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) नियुक्त किया गया।



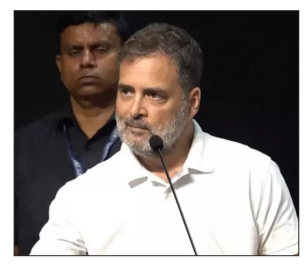
आरएसएस इतिहास बदलने की कोशिश कर रहा : राहुल गांधी

इनके पीछे एक खतरनाक विचारधारा है, देश इसे बर्दाश्त नहीं करेगा

कार्यक्रम

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि RSS देश का इतिहास बदलने की कोशिश कर रहा है। इसके पीछे एक खतरनाक विचार है। भारत अपने इतिहास के कुचले जाने को बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने कहा देश के छात्र दर्द में हैं। उन्हें PM नरेंद्र मोदी की माफी की जरूरत नहीं है, बल्कि वे चाहते हैं कि PM अपनी सरकार के कामों के लिए माफी मांगें। राहुल गांधी मंगलवार को पूर्व कांग्रेस सांसद वाइको की किताब वाइको इन पार्लियामेंट के विमोचन कार्यक्रम में बोल रहे थे। राहुल ने कहा, हम अजीब दौर से गुजर रहे हैं,



■ नई दिल्ली में पुस्तक विमोचन कार्यक्रम के दौरान संबोधित करते राहुल गांधी।

जहां छात्र सड़कों पर हैं, उनके पास काम नहीं है और वे परीक्षाओं में निष्पक्षता तथा एक बेहतर शिक्षा प्रणाली की मांग कर रहे हैं। दूसरी तरफ PM उन्हें माफ कर रहे हैं। नहीं पता कि PM को यह विचार कहां से आता है कि वे उन्हें या भारत के भविष्य को माफ कर सकते हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

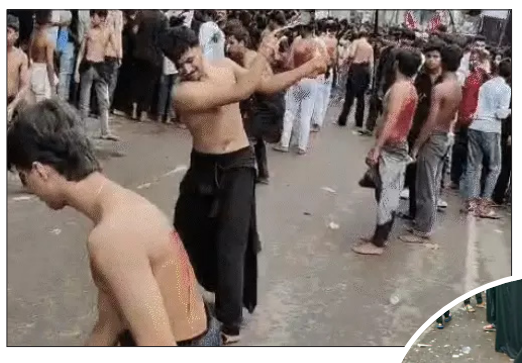
लखनऊ में जंजीरों से मातम के बाद लहूलुहान हुए अकीदतमंद, बच्ची ने बांटी मेलोडी टॉफी

चेहल्लुम जुलूस में ट्रंप नेतन्याहू की तस्वीरें पैरों से रौंदीं

मातम

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में मोहर्रम के 40वें दिन मंगलवार को चेहल्लुम का जुलूस निकाला जा रहा है। करीब 5 किलोमीटर लंबा जुलूस चौक स्थित नाजिम साहब इमामबाड़ा से शुरू होकर तालकटोरा स्थित कर्बला तक जाएगा। जुलूस में शिया समुदाय के हजारों लोग काले कपड़े पहनकर और नंगे पैर शामिल हो रहे हैं। इमामबाड़ा नाजिम साहब के बाहर जमीन पर अमेरिका और इजराइल के झंडे के साथ डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की तस्वीर लगाई है। इसे लोग पैरों से रौंदते हुए आगे बढ़ रहे हैं। जुलूस में सबसे आगे अकीदतमंद करीब 25 फीट ऊंचा हजरत अब्बास का अलम-ए-मुबारक लेकर चल रहे हैं। कई लोग ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई और उनके बेटे मोजतबा खामेनेई की तस्वीरें लेकर भी जुलूस में शामिल हुए हैं। जुलूस के दौरान बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने जंजीरों से मातम किया। मातम से कई अकीदतमंदों के शरीर पर चोट के निशान दिखाई दिए। वे लहूलुहान नजर आए।





> एक कुंतल ड्राई फ्रूट से बना अलम जुलूस में शामिल किया गया। इसमें 20 किलो तालमखाना, 40 किलो छुहारा, 15 किलो अखरोट, 5 किलो गरी और 20 किलो खजूर का इस्तेमाल किया गया।

'इमाम हुसैन की याद में निकाला जा रहा चेहल्लुम का जुलूस'

शिया धर्मगुरु मौलाना सैफ अब्बास ने कहा कि इमाम हुसैन अपने 72 साथियों के साथ आज से 40 दिन पहले कर्बला में शहीद हुए थे उन्हीं की याद में चेहल्लुम का जुलूस निकाला जाता है। यहां पर अमेरिका और इजराइल का झंडा इसलिए पैरों से रौंदा जा रहा है क्योंकि नेतन्याहू और ट्रंप इंसानियत के दुश्मन हैं।

10 कंपनी पीएसी और अर्द्धसैनिक बल तैनात

पुलिस ने जुलूस की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त पुलिस बल के साथ 10 कंपनी पीएसी, अर्द्धसैनिक बल और वायरलेस यूनिट तैनात की है। प्रत्येक जोन की जिम्मेदारी अपर पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारी और प्रत्येक सेक्टर की जिम्मेदारी पुलिस उपाधीक्षक या निरीक्षक स्तर के अधिकारियों को सौंपी गई है। इसके अलावा क्लस्टर मोबाइल, QRT, डायल-112 की बाइक और पीआरवी लगातार गश्त करती रहेंगी।



नाजिम साहब इमामबाड़ा से कर्बला तालकटोरा तक रहेगा जुलूस

चेहल्लुम का जुलूस चौक थाना क्षेत्र के नाजिम साहब इमामबाड़ा (विक्टोरिया स्ट्रीट) से शुरू होगा। मेफेयर तिराहा, नक्खास, तुड़ियागंज तिराहा, बिल्लौचपुरा, बाजारखाला, कर्बला पुत्तनशाह, हैदरगंज तिराहा, बुलाकी अड्डा और एवरेडी तिराहा होते हुए कर्बला तालकटोरा पहुंचकर संपन्न होगा।

अनुपूरक बजट में उद्यान विभाग को मिली बड़ी सौगात

किसानों के हित में सरकार का ऐतिहासिक निर्णय

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष के अनुपूरक बजट में उद्यान विभाग के लिए प्रस्तावित 245.24 करोड़ रुपये के प्रावधान पर प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि अनुपूरक बजट में उद्यान विभाग के लिए किए गए प्रावधान प्रदेश के किसानों, विशेषकर बागवानी एवं आलू उत्पादकों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होंगे। सरकार द्वारा भामाशाह भाव स्थिरता कोष की स्थापना हेतु 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था किए जाने से किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य दिलाने में सहायता मिलेगी तथा बाजार में मूल्य स्थिरता बनाए रखने की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।



मंत्री श्री सिंह ने कहा कि निजी शीतगृहों में भण्डारित आलू के भण्डारण प्रभार पर अनुदान हेतु 100 करोड़ रुपये का प्रावधान आलू उत्पादक किसानों को सीधा आर्थिक लाभ पहुंचाएगा। इससे किसानों का भण्डारण व्यय कम होगा और वे अपनी उपज को उचित समय पर बेहतर कीमत मिलने तक सुरक्षित रख सकेंगे। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय आलू केन्द्र (CIP-SARC), आगरा के सम्पर्क मार्ग हेतु भूमि क्रय एवं निर्माण के लिए 9.53 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रदेश में कृषि अनुसंधान एवं आधुनिक तकनीकों के विस्तार को नई गति देगी।

फास्ट न्यूज

युवक की संदिग्ध हालत में मौत

बख्शी का तालाब। लखनऊ के बीकेटी थाना क्षेत्र के कोटवा गांव में एक युवक की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि उसकी जमीन विवाद में हत्या की गई है। शाम को अपने दोस्त के साथ गया। आधी रात लौटा तो नशे की हालत में था। सुबह जगाने गए तो वह बेसुध मिला। एंबुलेंस से नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

लखनऊ में भाजपा पार्षद को जान का खतरा

लखनऊ । सावन माह में मनकामेश्वर मंदिर के प्रवेश द्वार को 4 दिन के भीतर दो बार डिस्प्ले बोर्ड लगाकर ढकने की कोशिश करने का मामला सामने आया है। मनकामेश्वर वार्ड से भाजपा पार्षद रणजीत सिंह ने इसे धार्मिक प्रतीकों और जनप्रतिनिधियों को निशाना बनाने की साजिश बताई है। अपनी जान को खतरा बताते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है। पार्षद रणजीत सिंह ने बताया कि मंदिर का प्रवेश द्वार पूर्व मेयर डॉ. दिनेश शर्मा की पहल पर नगर निगम ने बनवाया था। बाद में यहां भगवान गणेश की आशीर्वाद मुद्रा वाली प्रतिमा स्थापित कराई गई।

अगवा बच्चा बहराइच से बरामद

लखनऊ। लखनऊ में इंस्टाग्राम पर हुई जान-पहचान एक महिला के लिए मुसीबत बन गई। आरोपी युवक महिला पर शादी का दबाव बना रहा था। जब महिला ने इनकार किया तो उसने अंजाम भुगतने की धमकी देते हुए उसके 11 वर्षीय बेटे का अपहरण कर लिया। मड़ियांव पुलिस और डीसीपी उत्तरी की सर्विलांस/क्राइम टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 6 घंटे के भीतर बच्चे को सकुशल बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

ओडीओपी धातु उद्योग के उद्यमियों एवं निर्यातकों के साथ परामर्श बैठक

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन द्वारा दिनांक 04 अगस्त 2026 को योजना भवन, लखनऊ में ODOP धातु उद्योग से संबंधित उद्यमियों एवं निर्यातकों के साथ एक परामर्श बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री मनोज कुमार सिंह ने की। बैठक में प्रमुख सचिव, MSME, श्री शशि भूषण लाल सुशील (IAS) तथा पर्यावरण विभाग के विशेष सचिव श्री जग प्रवेश (IAS) उपस्थित रहे। बैठक में जॉइंट सेक्रेटरी श्री अवनेन्द्र कुमार शुक्ल तथा श्री प्रवीण कुमार, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भी उपस्थित रहे। बैठक में मुरादाबाद, अमरोहा, एटा, अलीगढ़, मिर्जापुर एवं महोबा सहित विभिन्न जनपदों से आए लगभग 30 उद्यमियों एवं निर्यातकों ने सहभागिता की। बैठक का उद्देश्य धातु उद्योग के समक्ष विद्यमान चुनौतियों, निर्यात संवर्धन की संभावनाओं तथा उत्तर प्रदेश की 1 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य में इस क्षेत्र के योगदान को और सुदृढ़ करने हेतु सुझाव प्राप्त करना था। इस दौरान मुरादाबाद के लगभग 8,000 करोड़ तथा अलीगढ़ के लगभग 2,500 करोड़ के वर्तमान निर्यात को और बढ़ाने की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई।

बैठक के दौरान उद्यमियों एवं निर्यातकों ने कच्चे माल की उपलब्धता, निर्यात प्रक्रिया, गुणवत्ता प्रमाणन, लॉजिस्टिक्स, वित्तीय सहायता, कौशल विकास, विपणन तथा अन्य प्रशासनिक एवं नीतिगत विषयों से संबंधित अपनी समस्याओं एवं सुझावों को विस्तारपूर्वक प्रस्तुत किया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने प्रतिभागियों को आश्वस्त किया कि बैठक में प्राप्त सभी सुझावों एवं समस्याओं का गंभीरतापूर्वक परीक्षण किया जाएगा तथा संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर उनके यथासंभव समाधान हेतु आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

वित्तीय वर्ष 2026-27 में अप्रैल से जुलाई माह तक 20,862.42 करोड़ रुपए राजस्व प्राप्त

उत्तर प्रदेश के आबकारी विभाग ने राजस्व प्राप्ति में बनाया नया कीर्तिमान

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के आबकारी एवं मद्य निषेध राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री नितिन अग्रवाल ने कहा कि आबकारी विभाग ने वित्तीय वर्ष 2026-27 में राजस्व प्राप्ति के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। विभाग ने विगत सभी रिकॉर्ड तोड़ते हुए प्रदेश के राजस्व में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा वर्तमान वित्तीय वर्ष 2026-27 में अप्रैल से जुलाई माह तक 20,862.42 करोड़ रुपए राजस्व प्राप्त किया गया, जो कि गत वर्ष 2025-26 के इसी अवधि में प्राप्त राजस्व 18,583.19 करोड़ रुपए के सापेक्ष 12.27 प्रतिशत अर्थात् रू. 2,279.23 करोड़ रुपए अधिक है।



इसी प्रकार वित्तीय वर्ष 2026-27 के जुलाई माह में 5,052.86 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त किया गया, जो कि गत वर्ष 2025-26 के इसी माह में प्राप्त 4,354.28 करोड़ रुपए के राजस्व के सापेक्ष 16.04 प्रतिशत अर्थात् 698.58 करोड़ रुपए अधिक है। वर्तमान वित्तीय वर्ष के इसी अगस्त माह में अभी तक 273.87 करोड़ रुपए की राजस्व प्राप्ति हुई है। आबकारी विभाग ने गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में 57,722.26 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त किया, जो कि विगत वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्राप्त राजस्व 52,573.07 करोड़ रुपए के सापेक्ष 9.79 प्रतिशत अर्थात 5,149.19 करोड़ रुपए अधिक था। इसी प्रकार जुलाई माह की गई प्रवर्तन कार्यवाही में अवैध शराब के मामले में कुल 9,769 अभियोग दर्ज कर 2.34 लाख लीटर अवैध मदिरा/मादक द्रव्य बरामद की गयी। जुलाई में ही अवैध मदिरा के कारोबार में संलिप्त 1,704 व्यक्तियों को गिरफ्तार करते हुए 271 व्यक्तियों को जेल भेजा गया एवं अवैध मदिरा की तस्करी में प्रयुक्त 14 वाहनों को जब्त किया गया। गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रदेश में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी के कुल 1,19,001 अभियोग दर्ज करते हुए 31.16 लाख लीटर अवैध मदिरा/मादक द्रव्य बरामद की गयी।

गत वर्ष की इसी अवधि में प्राप्त राजस्व से 12.27 प्रतिशत अधिक

जुलाई माह में 5,052.86 करोड़ रुपए का राजस्व अर्जित, जो गत वर्ष इसी माह में प्राप्त राजस्व से 16.04 प्रतिशत अधिक

वर्तमान वित्तीय वर्ष में अप्रैल से जून माह तक अवैध शराब के विरुद्ध प्रभावी प्रवर्तन कार्यवाही में 9.01 लाख लीटर अवैध मदिरा/मादक द्रव्य बरामद, 4673 व्यक्ति गिरफ्तार

विभाग का उद्देश्य राजस्व बढ़ाने के साथ-साथ समाज को नशे के दुष्प्रभावों से बचाना है, विगत साढ़े चार वर्षों में मदिरा से किसी भी प्रकार की जनहानि नही हुई

-आबकारी मंत्री श्री नितिन अग्रवाल

आबकारी मंत्री ने बताया कि वर्तमान वित्तीय वर्ष 2026-27 में अप्रैल से जून माह तक अवैध शराब के विरूद्ध प्रभावी प्रवर्तन कार्यवाही करते हुए कुल 29,294 अभियोग दर्ज कर 9.01 लाख लीटर अवैध मदिरा/मादक द्रव्य बरामद की गयी। अवैध मदिरा के कारोबार में संलिप्त 4,673 व्यक्तियों को गिरफ्तार करते हुए 819 व्यक्तियों को जेल भेजा गया है एवं अवैध मदिरा की तस्करी में प्रयुक्त 30 वाहनों को जब्त किया गया।

किसी भी परिषदीय विद्यालय को नहीं किया बंद, 19 मानकों पर सुविधाएं 36 से बढ़कर 96 प्रतिशत हुईं

शिक्षा व्यवस्था को और मजबूत कर रही सरकार : संदीप सिंह

विधान परिषद में विपक्ष के आरोपों का बेसिक शिक्षा मंत्री ने दिया जवाब, कहा- विद्यालयों के पेयरिंग को लेकर फैलाया जा रहा भ्रम

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान परिषद में परिषदीय विद्यालयों को बंद किए जाने के आरोपों पर बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने स्पष्ट किया कि प्रदेश सरकार ने किसी भी परिषदीय विद्यालय को बंद करने का निर्णय नहीं लिया है। उन्होंने कहा कि विद्यालयों के पेयरिंग को लेकर विपक्ष भ्रम फैला रहा है। सरकार ने शिक्षा व्यवस्था और उपलब्ध संसाधनों को बेहतर बनाने के लिए कदम उठाए हैं। निपुण भारत मिशन के तहत कक्षा तीन तक मिले सकारात्मक परिणामों के बाद इसे कक्षा पांच तक विस्तारित किया गया है।



मंत्री सिंह ने कहा कि वर्ष 2019 में 25,578 विद्यालय जो एक ही परिसर में संचालित थे उनके प्रशासनिक एकीकरण का निर्णय लिया गया था। कई परिसरों में कक्षा एक से पांच और छह से आठ तक के विद्यालय एक साथ संचालित थे, जबकि कुछ स्थानों पर एक ही परिसर में दो-दो प्राथमिक विद्यालय भी चल रहे थे। प्रत्येक विद्यालय के लिए अलग शिक्षक और संसाधनों की व्यवस्था करनी पड़ती थी। ऐसे विद्यालयों को कक्षा एक से आठ तक कंपोजिट विद्यालय के रूप में संचालित करने का निर्णय संसाधनों के बेहतर उपयोग और बच्चों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लिया गया।

1.43 करोड़ से अधिक विद्यार्थी नामांकित,71,877 बाल वाटिकाएं संचालित

> मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि सरकार के प्रयासों से परिषदीय शिक्षा के प्रति अभिभावकों का भरोसा बढ़ा है। शैक्षणिक सत्र 2025-26 में 73.94 लाख बालिकाओं समेत कुल 1 करोड़ 43 लाख 34 हजार विद्यार्थी नामांकित हैं। बच्चों को समय से पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध कराई जा रही हैं। यूनिफार्म समेत निर्धारित सामग्री के लिए डीबीटी के माध्यम से प्रति विद्यार्थी 1,200 रुपये सीधे अभिभावकों के खाते में उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

बाल वाटिकाएं संचालित की जा रही

बेसिक शिक्षा मंत्री ने कहा कि 50 से कम छात्र संख्या और एक किलोमीटर की परिधि से जुड़े जिन विद्यालयों के संबंध में पेयरिंग का निर्णय लिया गया, उनका यू-डायस कोड समाप्त नहीं किया गया है। वहां बाल वाटिकाएं संचालित की जा रही हैं। प्रदेश में वर्तमान में 71,877 बाल वाटिकाएं संचालित हैं और इनके लिए नया पाठ्यक्रम भी तैयार किया गया है। प्रारंभिक शिक्षा को मजबूत करने के लिए 19,484 ईसीसीई एजुकेटर्स की नियुक्ति की गई है।

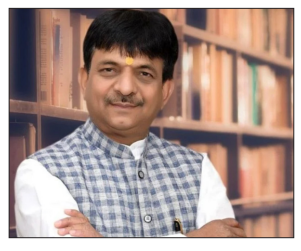
12 लाख 28 हजार 587 लोग लाभान्वित

बेसिक शिक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार ने शिक्षामित्रों और अनुदेशकों के हित में भी महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। शिक्षामित्रों का मानदेय 10 हजार रुपये से बढ़ाकर 18 हजार रुपये और अनुदेशकों का मानदेय नौ हजार रुपये से बढ़ाकर 17 हजार रुपये किया गया है। इसके साथ ही शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिससे 12 लाख 28 हजार 587 लोग लाभान्वित हो रहे हैं।

प्रशिक्षण व्यवस्था को सुदृढ़ कर युवाओं को रोजगार से जोड़ रही योगी सरकार

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार युवाओं को गुणवत्तापूर्ण व्यावसायिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराकर उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में प्रदेश के प्रशिक्षण तंत्र को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाने के लिए अनुपूरक बजट में विशेष प्रावधान किया गया है। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि प्रशिक्षण एवं सेवा योजना निदेशालय के प्रशिक्षण प्रखण्ड के सुचारू संचालन के लिए अनुपूरक बजट में 198.34 लाख रुपए यानि 1.9834 करोड़ रुपए की धनराशि स्वीकृत की गई है। उन्होंने बताया कि स्वीकृत धनराशि में से 173.34 लाख रुपए आउटसोर्सिंग सेवाओं के भुगतान तथा 25 लाख रूपए गाड़ियों के अनुरक्षण एवं पेट्रोल आदि की खरीद के लिए निर्धारित किए गए हैं। इससे निदेशालय की प्रशासनिक एवं प्रशिक्षण संबंधी व्यवस्थाओं को और अधिक गति मिलेगी। व्यावसायिक शिक्षा मंत्री ने कहा कि योगी सरकार युवाओं को कौशलयुक्त बनाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है।



प्रशिक्षण एवं सेवा योजना निदेशालय के प्रशिक्षण प्रखण्ड के सुचारु संचालन के लिए अनुपूरक बजट में 198.34 लाख रुपए का प्रावधान

खुलासा : दुबई में फंसे मजदूर का टिकट कराकर कैरियर बनाया, लखनऊ एयरपोर्ट पर सोना आया

कैप्सूल में सोने का बुरादा मंगाने वाले तस्कर गिरफ्तार

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ पुलिस ने दुबई से सोना तस्करी करने वाले अंतरराष्ट्रीय गिरोह के 2 सदस्यों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से 203.92 ग्राम सोने का बुरादा भरा कैप्सूल बरामद हुआ। जिसकी कीमत करीब 30 लाख रुपए है। पुलिस की पूछताछ में सामने आया दुबई में काम नहीं मिलने से फंसे युवक को तस्करों ने टिकट और अन्य खर्च देकर कैरियर बनाया था।

लखनऊ पहुंचने पर उससे सोने का बुरादा भरा कैप्सूल और उसका सामान लूटकर फरार हो गए थे। उसी युवक ने लूट की FIR दर्ज कराई तो गिरोह का खुलासा हुआ। गिरोह के सदस्य भारत के अलग-अलग राज्यों और खाड़ी देशों खासकर दुबई में सक्रिय हैं। दुबई व अन्य देशों को सक्रिय सदस्य वहां से सोना भेजवाते हैं। भारत के सदस्य उसे यहां खपाते हैं। डीसीपी मोहम्मद मुस्ताक ने बताया कि आरोपियों के गैंग में उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब समेत कई राज्यों के सदस्य शामिल हैं। गिरोह के सदस्य खाड़ी देशों खासकर दुबई में ऐसे भारतीयों की तलाश करते हैं, जो किसी वजह से जल्दी भारत लौटना चाहते हैं। उन्हें शॉपिंग, नकद रुपए और हवाई टिकट का लालच देकर सोने की तस्करी के लिए उन्हें कैरियर बनाते हैं।





आरोपियों के पास से सोने के बुरादे से भरा कैप्सूल बरामद हुआ है।

मंगलवार को पुलिस ने बलरामपुर निवासी दीपक वर्मा और राम प्रताप दुबे को गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से महबूब का सामान व सोने के बुरादे से भरा कैप्सूल बरामद किया।

27 जुलाई को लखनऊ एयरपोर्ट पर पहुंचा था सोना

डीसीपी दक्षिणी मोहम्मद मुस्ताक ने मंगलवार दोपहर 3 बजे बताया कि बलिया के बेल्थरा रोड निवासी महबूब आलम ने 3 अगस्त को सरोजनीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया था कि वह 27 जुलाई को दुबई से अमौसी एयरपोर्ट पहुंचा था। एयरपोर्ट के बाहर दीपक वर्मा, राम प्रताप दुबे, अर्शदीप और उनके साथियों ने उन्हें झांसा देकर काली ब्रेजा कार में बैठा लिया। काफी देर तक इधर-उधर घुमाने के बाद उसका ट्रॉली बैग लेकर उसे आलमबाग बस अड्डे के पास उतार दिया। डीसीपी ने बताया कि मामले में FIR दर्ज करके जांच शुरू की गई। पुलिस और सर्विलांस टीम करीब 130 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज व अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की जांचकर आरोपियों तक पहुंच गई।

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी के विकास को नई गति

तमसा संकेत, संवाददाता

निर्माणाधीन परियोजनाओं और बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण के लिए अनुपूरक बजट में 5 करोड़ रुपए का विशेष प्रावधान

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश में संस्कृत शिक्षा एवं उच्च शिक्षण संस्थानों के सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी में निर्माणाधीन परियोजनाओं को गति प्रदान करने एवं बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए अनुपूरक बजट में 500 लाख रुपए यानि 5 करोड़ रुपए की विशेष धनराशि का प्रावधान किया गया है। प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी भारतीय ज्ञान परंपरा, संस्कृत भाषा और प्राचीन विद्या का महत्वपूर्ण केंद्र है। विश्वविद्यालय के विकास, आधुनिक सुविधाओं के विस्तार और निर्माणाधीन परियोजनाओं को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के उद्देश्य से सरकार द्वारा यह महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि योगी सरकार संस्कृत भाषा, भारतीय संस्कृति और ज्ञान परंपरा के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है। विश्वविद्यालय में चल रहे निर्माण कार्यों के पूर्ण होने से विद्यार्थियों, शोधार्थियों और शिक्षकों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण एवं आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।



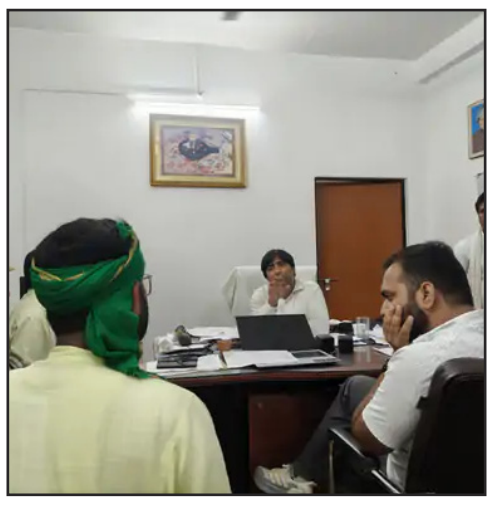
बिजली लाइन 10 दिन बाद भी शुरू नहीं

भाकियू (भदौरिया) ने दी आंदोलन की चेतावनी, 3 दिन में समाधान का आश्वासन

नाराजगी

तमसा संकेत, एजेंसी

रामनगर। सैदनपुर फीडर पर बिजली लाइन निर्माण और विद्युत आपूर्ति शुरू होने में हो रही देरी को लेकर ग्रामीणों और भारतीय किसान यूनियन (भदौरिया) ने नाराजगी जताई है। संगठन का आरोप है कि 26 जुलाई को हुए धरना-प्रदर्शन के दौरान अधिकारियों ने जिस बिजली लाइन को तत्काल चालू करने का आश्वासन दिया था, वह दस दिन बाद भी शुरू नहीं हो सकी है। इसे लेकर ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। ग्रामीणों के अनुसार, 26 जुलाई को आयोजित धरना-प्रदर्शन में अधिशासी अभियंता (एक्सईएन) अभिजीत शाह, नायब तहसीलदार, कोतवाल सहित अन्य अधिकारी मौके पर



पहुंचे थे। उस समय अधिकारियों ने भरोसा दिलाया था कि बिजली लाइन पूरी तरह तैयार है और उसी दिन विद्युत आपूर्ति शुरू कर दी जाएगी। लेकिन कई दिन बीत जाने के बावजूद लाइन चालू नहीं हो सकी।

भाकियू (भदौरिया) के जिला अध्यक्ष रविंद्र सिंह ने कहा कि बिजली विभाग लगातार झूठे आश्वासन देकर किसानों और ग्रामीणों को भ्रमित कर रहा है। उन्होंने

मानकों के विपरीत पोल लगाने का आरोप

भारतीय किसान यूनियन (भदौरिया) का आरोप है कि पूर्व में तैनात जूनियर इंजीनियर (जेई) द्वारा बिजली के पोल निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं लगाए गए। कई स्थानों पर पोलों की संख्या कम है, जबकि अब तक तार भी नहीं डाले गए हैं। संगठन का कहना है कि विभागीय अधिकारी वास्तविक स्थिति छिपाकर वरिष्ठ अधिकारियों और आम जनता को गुमराह कर रहे हैं।

अधिशासी अभियंता से स्वयं मौके पर पहुंचकर कार्य की निगरानी करने, शीघ्र विद्युत आपूर्ति शुरू कराने तथा गणेशपुर क्षेत्र में गार्ड लगाने के लिए लंबित सर्वे तत्काल पूरा कराने की मांग की। साथ ही संबंधित जेई की भूमिका की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग उठाई।





तीन दिन का समय, फिर आंदोलन की चेतावनी

मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त थाना प्रभारी सुभाष चंद्र यादव मौके पर पहुंचे। उन्होंने अतिरिक्त अधिशासी अभियंता की ओर से कार्य पूरा करने के लिए तीन दिन का समय मांगा। इस पर भाकियू (भदौरिया) के जिला अध्यक्ष रविंद्र सिंह ने सहमति जताई और अधिकारियों से लिखित आश्वासन लिया गया। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि तीन दिनों के भीतर बिजली लाइन चालू कर अन्य लंबित समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो ग्रामीणों के साथ दोबारा धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

ब्रह्माकुमारीज़ ने बाराबंकी में नशामुक्ति महाअभियान शुरू किया

हजारों नागरिकों को दिलाई शपथ, लक्ष्य 10 करोड़ प्रतिज्ञाएं

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में ब्रह्माकुमारीज़ ने मंगलवार को राष्ट्रव्यापी '10 करोड़ नशामुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान' का शुभारंभ किया। दिव्य शक्ति भवन में आयोजित कार्यक्रम में हजारों नागरिकों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई। इस अभियान का उद्देश्य देश भर में 10 करोड़ लोगों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना है। अभियान की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई, जिसके बाद नशामुक्ति सेवाधारियों को पटका और झंडा प्रदान कर जनजागरण अभियान का आगाज़ किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में नागरिक, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, शिक्षा एवं स्वास्थ्य कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला युवा अधिकारी (MyBharat युवा पोर्टल) रश्मि गुप्ता और ECHS बाराबंकी के



प्रभारी अधिकारी कर्नल एन. के. मिश्रा थे। ब्रह्माकुमारीज़ की उपक्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी माधुरी दीदी और सुरक्षा सेवा प्रभाग (RERF) उत्तर प्रदेश की कोऑर्डिनेटर राजयोगिनी दिव्या दीदी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थीं।राजयोगिनी माधुरी दीदी ने अपने संबोधन में कहा कि समाज में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति एक गंभीर चुनौती है, जिससे सामूहिक जागरूकता और जनभागीदारी के माध्यम से ही प्रभावी ढंग से निपटा जा सकता है। उन्होंने सभी नागरिकों से नशामुक्त भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। राजयोगिनी दिव्या दीदी ने बताया कि यह अभियान 6 अगस्त से 20 अगस्त 2026 तक देशभर में संचालित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह ब्रह्माकुमारीज़ की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि जी की 19वीं पुण्य स्मृति को समर्पित है। अभियान का लक्ष्य 10 करोड़ नागरिकों को नशामुक्त जीवन का संकल्प दिलाना है। इस महाअभियान का उद्देश्य सकारात्मक जीवन-मूल्यों, राजयोग मेडिटेशन और उत्तरदायी नागरिकता के माध्यम से नशामुक्त, स्वस्थ एवं विकसित भारत के निर्माण में जनभागीदारी बढ़ाना है। मुख्य अतिथि रश्मि गुप्ता ने MyBharat पोर्टल के माध्यम से युवाओं के लिए संचालित सरकारी कार्यक्रमों और योजनाओं की जानकारी दी।

फास्ट न्यूज

खाली प्लॉट में मिला युवक का शव

उन्नाव। उन्नाव शहर कोतवाली क्षेत्र के हुसैनगंज स्थित एक खाली प्लॉट में मंगलवार सुबह एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही डायल 112 और कोतवाली सदर पुलिस मौके पर पहुंची। मंगलवार सुबह करीब 8:30 बजे डायल 112 पर सूचना मिली कि हुसैनगंज में शराब की दुकान के पास स्थित एक खाली प्लॉट में एक व्यक्ति का शव पड़ा है। इसके बाद आसपास के लोगों से पूछताछ की गई।

गंगा का जलस्तर चेतावनी बिंदु से 21 सेमी नीचे

उन्नाव। उन्नाव में गंगा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। पहाड़ी और मैदानी इलाकों में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के साथ-साथ हरिद्वार और नरोरा बैराज से पानी छोड़े जाने के कारण यह स्थिति बनी है। कानपुर गंगा बैराज के सभी 30 गेट पहले से खुले होने से भी बहाव बढ़ा है। गंगा का जलस्तर चेतावनी बिंदु 112 मीटर से मात्र 21 सेंटीमीटर नीचे पहुंच गया है। जलस्तर में लगातार हो रही बढ़ोतरी से तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की चिंता बढ़ गई है। केंद्रीय जल आयोग के आंकड़ों के अनुसार, सोमवार सुबह 5 बजे गंगा का जलस्तर 111.47 मीटर दर्ज किया गया था।

गैंगस्टर एक्ट का वांछित गिरफ्तार

हरदोई। हरदोई में अंतरौली थाना पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के वांछित आरोपी जाबिर को गिरफ्तार किया है। जाबिर पर गिरोह बनाकर आर्थिक और भौतिक लाभ के उद्देश्य से समाज विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। पुलिस ने जाबिर पुत्र कासिम को मंगलवार दोपहर 1 बजे तेतारपुर, थाना शुकुल बाजार, जनपद अमेठी से गिरफ्तार किया। वह लंबे समय से फरार चल रहा था।

पोनी रोड चौड़ीकरण अतिक्रमण हटाने की समय-सीमा समाप्त

कल से चलेगा अभियान, प्रशासन ने पूरी की तैयारी

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में पोनी रोड चौड़ीकरण परियोजना के तहत अतिक्रमण हटाने की समय-सीमा रविवार को समाप्त हो गई। प्रशासन और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंगलवार से अतिक्रमण विरोधी अभियान शुरू करेंगे। सावन के पहले सोमवार के कारण यह अभियान सोमवार को नहीं चलाया गया। समय-सीमा समाप्त होने के बावजूद, कई प्रभावित लोगों ने संभावित प्रशासनिक कार्रवाई से बचने के लिए सोमवार को भी अपने निर्माण स्वयं तोड़ने शुरू कर दिए। पोनी रोड पर कई स्थानों पर लोगों को बैरिकेडिंग लगाकर अपने मकानों और दुकानों के आगे के हिस्सों को हटाते देखा गया। उनका कहना था



कि विभाग की ओर से सख्त चेतावनी पहले ही दी जा चुकी है, इसलिए वे स्वयं ही निर्माण हटा रहे हैं ताकि बाद में जुर्माना या कानूनी प्रक्रिया का सामना न करना पड़े। लोक निर्माण विभाग ने सड़क चौड़ीकरण के दायरे में आने वाले अवैध निर्माणों का पहले ही सर्वे और चिह्नांकन किया था। इसके बाद संबंधित लोगों को नोटिस जारी कर निर्धारित समय के भीतर अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए थे। 18 जुलाई को चले एक अभियान में संयुक्त टीम ने 30 से अधिक अतिक्रमण हटाए थे। प्रभावित लोगों के अनुरोध पर प्रशासन ने उन्हें स्वयं निर्माण हटाने के लिए अतिरिक्त समय दिया था, जिसकी अवधि रविवार को समाप्त हो गई। नियमानुसार, संयुक्त टीम को सोमवार से अभियान शुरू करना था। हालांकि, सावन के पहले सोमवार के अवसर पर धार्मिक भावनाओं और श्रद्धालुओं की आवाजाही को ध्यान में रखते हुए इसे एक दिन के लिए स्थगित कर दिया गया। लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता (एक्सईएन) एच.डी. अहिरवार ने बताया कि पोनी रोड चौड़ीकरण परियोजना को लेकर सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने पुष्टि की कि सोमवार को धार्मिक अवसर के कारण अभियान नहीं चलाया गया।

चेहल्लुम पर उन्नाव में निकला मातमी जुलूस

शहर या हुसैन की सदाओं से गूंजा, शांतिपूर्ण रहा आयोजन

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में मंगलवार दोपहर चेहल्लुम के अवसर पर करबला के शहीद हज़रत इमाम हुसैन और उनके 72 साथियों की शहादत की याद में पारंपरिक मातमी जुलूस निकाला गया। इस दौरान बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने इमाम हुसैन और उनके साथियों को खिराज-ए-अकीदत पेश की।

पूरे शहर में 'या हुसैन' की सदाएं गूंजती रहीं। अज़ादारों ने नौहाख्वानी के साथ मातम कर करबला की कुर्बानियों को याद किया। यह जुलूस गम और अकीदत से भरपूर माहौल में संपन्न हुआ। मातमी जुलूस शहर के ज़ेर खिड़की क्षेत्र से शुरू हुआ। यह अपने पारंपरिक मार्गों से गुजरते हुए चौधराना स्थित शिया जामा मस्जिद पहुंचकर संपन्न हुआ। चेहल्लुम के अवसर पर नगर का माहौल पूरी तरह गमगीन



रहा। जुलूस के दौरान विभिन्न स्थानों पर लोगों ने अज़ादारों के लिए पानी और शर्बत की व्यवस्था भी की थी। धार्मिक परंपराओं के अनुसार यह कार्यक्रम पूरे सम्मान और अनुशासन के साथ संपन्न हुआ। जुलूस को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की थी। जुलूस मार्ग पर पर्याप्त संख्या में पुलिस और पीएसी के जवान तैनात रहे। वरिष्ठ पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी लगातार भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते रहे। संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी गई और यातायात व्यवस्था भी सुचारु बनाए रखने के लिए आवश्यक प्रबंध किए गए थे। प्रशासन की सतर्कता और आयोजकों के सहयोग से चेहल्लुम का मातमी जुलूस शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। पूरे आयोजन के दौरान कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली।

66 जुलूस के दौरान अंजुमनों के सदस्यों ने नौहे पढ़े और सीना ज़नी कर गम-ए-हुसैन का इज़हार किया। जुलूस में शामिल लोगों ने पूरी श्रद्धा, अनुशासन और शांतिपूर्ण ढंग से धार्मिक रस्में अदा कीं। जुलूस में जुल्जना, ताबूत और आलम विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। इन्हें देखने और ज़ियारत करने के लिए बड़ी संख्या में लोग मार्ग के दोनों ओर मौजूद थे। महिलाओं, बुजुर्गों और युवाओं सहित विभिन्न वर्गों के लोगों ने भी जुलूस में भाग लेकर शहीदाने करबला की कुर्बानियों को याद किया। अज़ादारों ने इंसानियत, न्याय, त्याग और भाईचारे के संदेश को आगे बढ़ाने का संकल्प भी दोहराया।

कोर्ट के आदेश पर समधी समेत चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज

गोपामऊ नगर पंचायत अध्यक्ष पर धोखाधड़ी का केस दर्ज

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। गोपामऊ नगर पंचायत अध्यक्ष हाजी वली मोहम्मद उर्फ वली उल्लाह, उनके समधी निजामुद्दीन समेत चार लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी और फर्जीवाड़े के आरोप में टड़ियावां थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। यह कार्रवाई अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (कोर्ट संख्या-4) के आदेश पर की गई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है। मुरादाबाद निवासी मोहम्मद दबीर अहमद ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया कि उनके नाना नवाब नाजिर हुसैन गोपामऊ के नवाब थे और क्षेत्र में उनकी कई मूल्यवान संपत्तियां हैं। शिकायतकर्ता का कहना है कि उनके नाना की गैरमौजूदगी का फायदा



उठाकर उनकी दो दुकानों के स्वामित्व संबंधी अभिलेखों में कथित रूप से फर्जीवाड़ा किया गया। न्यायालय के आदेश के अनुपालन में टड़ियावां पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी इख्तियार हुसैन ने बताया कि कोर्ट के निर्देश पर एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि जांच निष्पक्ष तरीके से की जाएगी और विवेचना में जो तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस कार्रवाई न होने पर पहुंचे अदालत

मोहम्मद दबीर अहमद का कहना है कि उन्होंने पहले इस मामले की शिकायत टड़ियावां पुलिस से की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उन्होंने न्यायालय की शरण ली। मामले की सुनवाई के दौरान अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रिचा शर्मा ने प्रथम दृष्टया उपलब्ध तथ्यों को आधार मानते हुए नगर पंचायत अध्यक्ष वली उल्लाह, उनके समधी निजामुद्दीन तथा अन्य दो आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया।

शिकायत के अनुसार, संबंधित दुकानों का स्वामित्व बंजारा निवासी शहनवाज और जीशान खां के नाम दर्ज करा दिया गया। इसके बाद नगर पंचायत से स्वामित्व संबंधी रसीदें भी जारी कर दी गईं। आरोप है कि बाद में इन दोनों दुकानों का बैनामा नगर पंचायत अध्यक्ष वली उल्लाह ने अपने समधी निजामुद्दीन के नाम करा दिया।

डिप्टी सीएम मौर्य के बयान पर उलेमा भड़के

बाराबंकी। सीएम केशव प्रसाद मौर्य के मदरसों को लेकर दिए गए बयान पर मुस्लिम धर्मगुरुओं और मौलानाओं में आक्रोश है। डिप्टी सीएम ने मदरसों को आतंकवाद पैदा करने की फैक्ट्री बताया था। शनिवार 3:00 बजे इस बयान को बाराबंकी के उलेमाओं और मदरसा संचालकों ने भ्रामक और सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाला करार दिया है।

बाराबंकी के मदरसा संचालक व मौलाना इमाम मकबूल ने इस बयान पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि मदरसों में 'कुरान-ए-पाक' के साथ-साथ उर्दू, हिंदी, अंग्रेजी, साइंस और गणित जैसे आधुनिक विषयों की शिक्षा दी जाती है। मौलाना मकबूल ने बताया कि मदरसों से पढ़कर निकले छात्र डॉक्टर और इंजीनियर बन रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि यहां के विद्यार्थी भविष्य में आईएएस और आईपीएस अधिकारी बनकर देश की सेवा करेंगे। मौलाना ने इस्लामिक शिक्षा और राष्ट्रीय एकता का जिक्र करते हुए कहा कि कुरान-ए-पाक में किसी के बारे में बुरा बोलने या सोचने की मनाही है।

किसान की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

खेत में तबियत बिगड़ी, मेडिकल कॉलेज में तोड़ा दम

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई के हरियावां थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह खेत में काम करते समय एक युवा किसान की संदिग्ध परिस्थितियों में तबीयत बिगड़ गई। परिजन उन्हें तत्काल मेडिकल कॉलेज ले गए, जहां इलाज के दौरान सुबह 11:44 बजे उनकी मृत्यु हो गई। चिकित्सक ने प्रथम दृष्टया जहर खाने की आशंका जताई है।

जानकारी के अनुसार, हरियावां थाना क्षेत्र के ग्राम मरई के मजरा चिरभुरिया निवासी 26 वर्षीय सतीश पेशे से किसान थे। मंगलवार सुबह वह अपने खेत पर काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ने लगी और उन्हें तेज उल्टियाँ होने लगीं।

खेत के आसपास मौजूद अन्य लोगों ने सतीश की बिगड़ती हालत देखकर परिजनों को सूचना दी।



सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और गंभीर हालत में सतीश को तत्काल मेडिकल कॉलेज ले गए। डॉक्टरों की टीम ने तुरंत इलाज शुरू किया, लेकिन सतीश की हालत लगातार बिगड़ती चली गई। सुबह 11:44 बजे इलाज के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। सतीश की मृत्यु की खबर से परिवार में शोक छा गया। वह अपने पीछे पत्नी रिंकी, एक मासूम बेटा और एक बेटी छोड़ गए हैं। इस घटना के बाद से गांव में गम का माहौल है।

आयोजन : जिला पंचायत अध्यक्ष ने किया उद्घाटन, महिलाओं ने की खरीदारी

तीज प्रदर्शनी का शुभारंभ

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। तीज पर्व के अवसर पर मंगलवार को शहर के एच.के. होटल एंड लॉन में भव्य तीज प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। दोपहर 2 बजे शुरू हुए इस कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमवती पीके वर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया। उद्घाटन के बाद उन्होंने प्रदर्शनी का फीता काटकर शुभारंभ किया और विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाओं, परिवारों और स्थानीय नागरिकों ने प्रदर्शनी में पहुंचकर खरीदारी की तथा सांस्कृतिक माहौल का आनंद लिया। पूरे आयोजन स्थल पर तीज पर्व की उत्सवमयी छटा देखने को मिली। प्रदर्शनी में हरदोई सहित विभिन्न शहरों से आए प्रदर्शकों ने



अपने-अपने स्टॉल लगाए। यहां महिलाओं के लिए आकर्षक परिधान, कृत्रिम आभूषण, हस्तशिल्प, गृह सज्जा की वस्तुएं, उपहार सामग्री, कॉस्मेटिक उत्पाद और घरेलू उपयोग की कई वस्तुएं उपलब्ध थीं। महिलाओं और युवतियों ने इन स्टॉलों पर पहुंचकर जमकर खरीदारी की। बच्चों और परिवारों ने भी प्रदर्शनी का भरपूर आनंद लिया। जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमवती पीके वर्मा ने प्रदर्शनी में लगे सभी स्टॉलों का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने प्रदर्शकों से बातचीत कर उनके उत्पादों की जानकारी ली और गुणवत्ता व विविधता की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से स्थानीय कारीगरों, महिला उद्यमियों और छोटे व्यापारियों को अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने का बेहतर अवसर मिलता है। इससे उनके व्यापार को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ स्थानीय उत्पादों को भी नई पहचान मिलती है। अपने संबोधन में प्रेमवती पीके वर्मा ने कहा कि तीज केवल एक पर्व नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रदर्शनियां महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने, स्वरोजगार अपनाने और अपने हुनर को समाज के सामने प्रस्तुत करने का अवसर देती हैं। ऐसे आयोजनों से महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ता है और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनने की प्रेरणा मिलती है।

आयोजकों ने जताया आभार

आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों और प्रदर्शकों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य महिलाओं और परिवारों को खरीदारी के साथ सांस्कृतिक वातावरण और सामाजिक मेल-मिलाप का साझा मंच उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम में इनरव्हील क्लब ऑफ हरदोई की सदस्य, शहर की जागरूक महिलाएं, समाजसेवी और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। पूरे आयोजन के दौरान उत्सव जैसा माहौल रहा। पारंपरिक परिधानों में पहुंचीं महिलाओं ने तीज पर्व की खुशियां साझा करते हुए प्रदर्शनी में उपलब्ध उत्पादों की जमकर खरीदारी की।







प्रदर्शनी में महिलाओं के लिए आकर्षक परिधान, कृत्रिम आभूषण, हस्तशिल्प, गृह सज्जा, उपहार सामग्री, कॉस्मेटिक और घरेलू उपयोग की वस्तुओं के कई स्टॉल लगाए गए थे।

होमगार्ड के परिजनों को मिली 30 लाख रुपए की सहायता

उन्नाव डीएम ने ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले होमगार्ड की पत्नी को चेक सौंपा

"जिला कमांडेंट होमगार्ड धर्मेंद्र विश्वकर्मा ने बताया कि हरिशंकर का 14 जनवरी 2026 को ड्यूटी के दौरान सड़क दुर्घटना में निधन हो गया था। उन्होंने बताया कि यह सहायता राशि मुख्यमंत्री की जनकल्याणकारी सोच के अनुरूप होमगार्ड विभाग और एचडीएफसी बैंक की टाकी नगर शाखा के बीच हुए समझौते के तहत निर्धारित शर्तों की पूर्ति के बाद उपलब्ध कराई गई है।"



तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में ड्यूटी के दौरान सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वाले होमगार्ड स्वयंसेवक हरिशंकर के परिवार को 30 लाख रुपए की सहायता राशि प्रदान की गई। मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने दिवंगत होमगार्ड की पत्नी गुड़िया देवी को बीमा एवं अनुग्रह सहायता राशि का चेक सौंपा। इस अवसर पर जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल आर्थिक सहायता देना ही नहीं, बल्कि संकट की घड़ी में पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़ा रहना भी है। उन्होंने भविष्य में भी हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया और दिवंगत होमगार्ड हरिशंकर की कर्तव्यनिष्ठ सेवा को श्रद्धांजलि अर्पित की। जिला कमांडेंट धर्मेंद्र विश्वकर्मा ने बताया कि आश्रित परिवार को अतिरिक्त आर्थिक सहायता दिलाने के लिए होमगार्ड मुख्यालय को पांच लाख रुपये की अनुग्रह सहायता स्वीकृत कराने का प्रस्ताव भी भेजा गया है। स्वीकृति मिलने के बाद यह राशि भी परिवार को उपलब्ध कराई जाएगी। सहायता राशि मिलने पर गुड़िया देवी ने प्रदेश सरकार, जिला प्रशासन और होमगार्ड विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया।

सम्पादकीय

उपचुनाव नतीजों का संदेश



तीन राज्यों की तीन विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनावों में से दो में भाजपा की हार यह संदेश देने वाली है कि उसकी चुनौतियां बढ़ भी सकती हैं। इनमें से बिहार की बांकीपुर सीट के परिणाम ने इसलिए सबसे अधिक ध्यान खींचा, क्योंकि 1995 से यह भाजपा के पास थी। इसके अलावा यह भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन के राज्यसभा जाने से रिक्त हुई थी। भाजपा केवल अपने अध्यक्ष की सीट बचाने में ही नाकाम नहीं, बल्कि उसे पराजय का स्वाद बिहार में भाजपा के मुख्यमंत्री रहते हुए चखना पड़ा।

चूंकि मध्य प्रदेश की दतिया विधानसभा सीट कांग्रेस के पास थी और यह क्षेत्र उसका ही गढ़ है, इसलिए भाजपा यहां अपनी पराजय को हल्के में ले सकती है। इसके बाद भी वह इसकी अनदेखी नहीं कर सकती कि आम तौर पर उपचुनावों में सत्ताधारी दल जीत हासिल करते हैं, जैसे गुजरात की मांजलपुर सीट भाजपा ने आसानी से जीत ली। निःसंदेह उपचुनाव नतीजों के आधार पर यह नहीं कहा जा सकता कि वे सदैव किसी बड़ी लहर का सूचक होते हैं।

इतना अवश्य है कि कई बार वे बदलते राजनीतिक माहौल का परिचायक बन जाते हैं। यह समय बताएगा कि बांकीपुर और दतिया के नतीजे भाजपा के लिए स्थायी झटका हैं या अस्थायी, क्योंकि एक समय वह उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ और केशव प्रसाद मौर्य की ओर से छोड़ी गईं लोकसभा सीटें हार गई थी।

बांकीपुर से जन सुराज पार्टी के प्रशांत किशोर का चुनाव जीतना इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि एक तो वे प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों पर सवाल उठा रहे थे और दूसरे, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को सीधे तौर पर चुनौती दे रहे थे। यह भी उल्लेखनीय है कि वे मुख्य विपक्षी दल राजद को तीसरे स्थान पर धकेलने में सफल रहे। स्पष्ट है कि बांकीपुर का नतीजा राजद के लिए भी चिंता का कारण बनना चाहिए। कहना कठिन है कि बांकीपुर से जीत हासिल कर पहली बार विधायक बने प्रशांत किशोर बिहार में तीसरी राजनीतिक शक्ति खड़ी कर पाएंगे या नहीं, लेकिन उनकी जीत कहीं न कहीं जनता के असंतोष को बयान करती है। इस असंतोष के कारणों में राज्य के साथ केंद्र सरकार की रीति-नीति भी हो सकती है और स्थानीय समीकरण भी। यह ध्यान रहे कि उपचुनाव एक ऐसे माहौल में हुए, जब नीट पेपर लीक को लेकर युवाओं के आक्रोश को भुनाया जा रहा था। इसके पहले उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिगत भेदभाव रोकने वाले यूजीसी के नियमों ने सामान्य वर्ग के लोगों को नाराज किया था। इसके अतिरिक्त बिहार में भरत तिवारी एनकाउंटर जैसे मामले भी चर्चा में थे। यह भी न भूला जाए कि बांकीपुर से भाजपा ने अपना प्रत्याशी बदलकर अपने लिए मुसीबतें बढ़ाईं। दतिया में भी उसने पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्र को हाशिए पर किया।

शब्दों का लहजा

आज के ज़माने में तेज़-तर्रार कोई नही सुनता हैं । हमें सख़्ती की जगह नरमी से बात रखनी आनी चाहिए क्योंकि तमाम लहजों में लहजा वही जो प्यार का है। तभी तो नसीहत मीठे एवं नरम शब्दों में ही अच्छी लगती है, कडवे एवं चीख कर कहे शब्दों का मतलब गलती को ठीक करना नही बल्कि व्यक्ति को गलत सिद्ध करना होता है। इसलिए कहिए मगर प्यार से कर्म ही दण्डित करे, कर्म ही पुरस्कृत करे । हमारे द्वारा सही समय पर सही अंदाज व सही उच्चारण से भावित शब्द महज शब्द नहीं है , वे सहज ही गजब कर सुप्त चेतना को जागृत कर ढा सकते हैं । प्राचीन युद्ध प्रणाली में जब दोनों सेनापतियों का शंखनाद होता था , वह न केवल युद्ध प्रारम्भ करने का आह्वान होता था , योद्धाओं के तन मन में पुरा जोश भरने का भी नाद था । योद्धाओं के तन-मन में पंख लग जाते थे । वह जब शंख पूरे ज़ोर से बजते थे । तात्पर्य सफलता के लिए बहुत महत्व प्रेरक शब्दों का है पर बोलने के लिए सही लहजे का प्रयुक्त हो शर्त है । हमारे द्वारा अक्सर लहजे को नजर अंदाज कर दिया जाता है पर सही शब्दों और सही लहजे से ही प्रेरित होकर इन्सान ऊंची उड़ान भर सकता है । अतः हमारे द्वारा सही सहज शब्दों के साथ सही लहजा भी जरूरी है नहीं तो हमारे शब्द की शक्ति अधूरी रह जाती है । शब्द कभी भी बोलते नहीं हैं । वह अपने बंद मुख को कभी खोलते नहीं हैं । इसलिए हमारे द्वारा उनका लहजा कभी गड़बड़ाना नहीं जानता हैं । शब्द कभी भी लड़खड़ाना नहीं जानता हैं । शब्दों को इज्जत देना है तो लहजे का भी ध्यान रखना होगा, शब्दों के साथ ही साथ हमें लहजे का भी मान रखना होगा। हम जरा ध्यान दें हमारा या उसका बोलने का लहजा ही पारस्परिक सम्बन्धों की समस्याओं का उद्गम है । यह निश्चित है कि यदि हर आदमी अपने बोलचाल के लहजे पर विशेष ध्यान दे तो अधिकांश समस्याएं जन्म ही नहीं लेंगी, उसको ज्ञान हो जाएगा ।

› प्रदीप छाजेड़

लखनऊ किसानों को आत्मनिर्भर बना रही निशुल्क बोरिंग योजना



निशुल्क बोरिंग योजना उत्तर प्रदेश सरकार की एक महत्वपूर्ण किसान-हितैषी पहल है, जिसका उद्देश्य छोटे और सीमांत किसानों को सिंचाई की समुचित सुविधा उपलब्ध कराना है। भारत एक कृषि प्रधान देश है और उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में खेती अधिकांश लोगों की आजीविका का प्रमुख साधन है। ऐसे में सिंचाई की उपलब्धता खेती की सफलता का आधार मानी जाती है। जिन क्षेत्रों में नहरों या अन्य सिंचाई संसाधनों की कमी होती है, वहाँ किसानों को वर्षा पर निर्भर रहना पड़ता है, जिससे उनकी फसलें अक्सर प्रभावित होती है। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए निशुल्क बोरिंग योजना की शुरुआत की गई, ताकि किसानों को अपने खेतों में पानी की स्थायी व्यवस्था मिल सके और उनकी आय में वृद्धि हो। इस योजना के अंतर्गत सरकार छोटे और सीमांत किसानों को उनके खेतों में बोरिंग (नलकूप) कराने के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करती है। कई बार किसान अपनी सीमित आय के कारण बोरिंग जैसे कार्यों पर खर्च नहीं कर पाते, जिससे वे सिंचाई के आधुनिक साधनों से वंचित रह जाते है। इस योजना के माध्यम से सरकार किसानों की इस समस्या का समाधान करती है और उन्हें खेती के लिए आवश्यक पानी की सुविधा उपलब्ध कराती है। इससे किसान अपनी फसलों की बेहतर देखभाल कर सकते है और उत्पादन में वृद्धि कर सकते हैं।

निशुल्क बोरिंग योजना का मुख्य उद्देश्य किसानों को आत्मनिर्भर बनाना और उनकी कृ षि उत्पादकता को बढ़ाना है। जब खेतों में समय पर सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होती है, तो फसलें अधिक स्वस्थ और गुणवत्तापूर्ण होती है। इससे किसानों को बाजार में बेहतर मूल्य मिलता है और उनकी आय में वृद्धि होती है। इसके साथ ही, यह योजना सूखा प्रभावित क्षेत्रों में भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध होती है, जहाँ पानी की कमी के कारण खेती करना कठिन होता है। इस योजना के तहत सरकार द्वारा बोरिंग कराने के लिए निर्धारित राशि का वहन किया जाता है। इसमें बोरिंग की खुदाई, पाइप, पंप सेट और अन्य आवश्यक उपकरणों की व्यवस्था शामिल होती है। हालांकि, कुछ मामलों में किसान को आंशिक योगदान भी देना पड़ सकता है, लेकिन अधिकांश लागत सरकार द्वारा वहन की जाती है। यह सहायता सीधे लाभार्थी को प्रदान की जाती है, जिससे पारदर्शिता बनी रहती है और योजना का लाभ सही व्यक्ति तक पहुँचता है। निशुल्क बोरिंग योजना का लाभ मुख्य रूप से छोटे और सीमांत किसानों को दिया जाता है, जिनके पास सीमित भूमि होती है और जो आर्थिक रूप से कमजोर होते हैं। इस योजना के लिए पात्रता निर्धारित की गई है, जिसके अनुसार लाभार्थी उत्तर प्रदेश का निवासी होना चाहिए और उसके पास खेती योग्य भूमि होनी चाहिए। साथ ही, किसान की आय और भूमि के आकार के आधार पर भी पात्रता तय की जाती है। यह सुनिश्चित किया जाता है कि योजना का लाभ वास्तव में जरूरतमंद किसानों तक पहुँचे। इस योजना का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह जल प्रबंधन को भी बढ़ावा देती है। आधुनिक बोरिंग तकनीकों के उपयोग से पानी का बेहतर और नियंत्रित उपयोग संभव होता है। इससे पानी की बर्बादी कम होती है और जल संसाधनों का संरक्षण होता है। इसके साथ ही, किसान ड्रिप इरिगेशन और स्प्रिंकलर जैसी तकनीकों का भी उपयोग कर सकते हैं, जिससे पानी की बचत होती है और फसल की उत्पादकता बढ़ती है।

निशुल्क बोरिंग योजना का प्रभाव किसानों के जीवन में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। जिन किसानों के पास पहले सिंचाई की सुविधा नहीं थी, वे अब साल में एक से अधिक फसलें उगा पा रहे हैं। इससे उनकी आय में वृद्धि हुई है और उनका जीवन स्तर बेहतर हुआ है। इसके अलावा, यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर भी उत्पन्न करती है, क्योंकि बोरिंग और संबंधित कार्यों में स्थानीय लोगों को रोजगार मिलता है।

हालांकि, इस योजना के सामने कुछ चुनौतियाँ भी हैं। सबसे बड़ी चुनौती जल स्तर में गिरावट है। यदि बोरिंग का अत्यधिक उपयोग किया जाता है, तो भूजल स्तर पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए, इस योजना के साथ-साथ जल संरक्षण के उपायों को भी अपनाना आवश्यक है। वर्षा जल संचयन, तालाबों का पुनर्जीवन और जल बचत तकनीकों का उपयोग इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकते है। इसके अलावा, कुछ क्षेत्रों में तकनीकी जानकारी की कमी भी एक समस्या हो सकती है। किसानों को यह जानकारी होना आवश्यक है कि बोरिंग का सही उपयोग कैसे किया जाए और पानी का संरक्षण कैसे किया जाए। इसके लिए सरकार द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम और जागरूकता अभियान चलाए जा सकते है, ताकि किसान इस योजना का अधिकतम लाभ उठा सकें। निशुल्क बोरिंग योजना को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए सरकार को निगरानी और मूल्यांकन प्रणाली को मजबूत करना होगा। यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि योजना का लाभ सही लाभार्थियों तक पहुँचे और इसका दुरुपयोग न हो। इसके साथ ही, तकनीकी विशेषज्ञों की मदद से बोरिंग की गुणवत्ता और टिकाऊपन को भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए। यह योजना केवल सिंचाई की सुविधा प्रदान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह किसानों के समग्र विकास में भी योगदान देती है। जब किसानों की आय बढ़ती है, तो वे अपने बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य आवश्यकताओ पर अधिक खर्च कर पाते है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों का विकास होता है और सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार आता है। निशुल्क बोरिंग योजना का एक और सकारात्मक पहलू यह है कि यह कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देती है। जब किसानों के पास अपनी सिंचाई की व्यवस्था होती है, तो वे बाहरी संसाधनों पर कम निर्भर होते है और अपनी खेती को अधिक प्रभावी ढंग से संचालित कर सकते हैं। इससे उनकी उत्पादकता और लाभ दोनों में वृद्धि होती है। अंततः यह कहा जा सकता है कि निशुल्क बोरिंग योजना उत्तर प्रदेश सरकार की एक अत्यंत उपयोगी और प्रभावशाली पहल है, जो किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। यह योजना न केवल किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाती है, बल्कि कृषि क्षेत्र के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

आदर अदीब पावेल बन्धु

> **निशुल्क बोरिंग योजना किसानों के लिए एक वरदान के समान है, जो उन्हें सिंचाई की स्थायी सुविधा प्रदान करके उनकी खेती को अधिक उत्पादक और लाभकारी बनाती है। यह योजना राज्य के ग्रामीण विकास और कृषि समृद्धि की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो आने वाले समय में और भी अधिक प्रभावी सिद्ध हो सकती है।**

आज, जब भारतीय...

कुमार कृष्णन

भागलपुर : जहाँ गांधी ने भारत का नैतिक मानचित्र बनाया



भारत का स्वतंत्रता संग्राम केवल सत्ता परिवर्तन का इतिहास नहीं बल्कि भारतीय समाज के नैतिक पुनर्जागरण की विराट गाथा है। यदि इस संघर्ष को केवल आंदोलनों, जेल यात्राओं और राजनीतिक समझौतों तक सीमित कर दिया जाए, तो उसकी सबसे बड़ी उपलब्धि हमारी दृष्टि से ओझल हो जाती है। महात्मा गांधी ने स्वराज को केवल अंग्रेज़ी शासन से मुक्ति नहीं माना; उन्होंने उसे आत्मसम्मान, सत्य, सामाजिक न्याय, भाषा, शिक्षा और मानवीय मूल्यों से जोड़कर देखा। उनके लिए राष्ट्र का निर्माण संसदों में नहीं, बल्कि नागरिकों के चरित्र और समाज की चेतना में होता है। इसलिए उनकी यात्राएँ केवल राजनीतिक अभियान नहीं थीं, बल्कि भारत की आत्मा से संवाद की यात्राएँ थीं। बिहार का भागलपुर इस दृष्टि से गांधी के जीवन का एक महत्त्वपूर्ण पड़ाव है। वे यहाँ चार बार—1917, 1920, 1925 और 1934—आए। प्रत्येक यात्रा का उद्देश्य अलग था, परंतु लक्ष्य एक ही था—भारतीय समाज को भीतर से बदलना। पहली यात्रा में उन्होंने मातृभाषा और शिक्षा को स्वराज का आधार बनाया, दूसरी में असहयोग आंदोलन को नैतिक जनआंदोलन का स्वर दिया, तीसरी यात्रा में सामाजिक समरसता और सांप्रदायिक विश्वास का संदेश दिया तथा चौथी बार भूकंप राहत और हरिजन सेवा के माध्यम से करुणा को राष्ट्रनिर्माण का आधार बताया। इन चार यात्राओं को एक साथ पढ़ने पर स्पष्ट होता है कि भागलपुर गांधी के लिए केवल एक नगर नहीं, बल्कि भारत के नैतिक मानचित्र का एक जीवंत केंद्र था। 15 अक्टूबर 1917 को भागलपुर के कटहलबाड़ी में बिहारी छात्रों का ऐतिहासिक सम्मेलन आयोजित हुआ। सम्मेलन की अध्यक्षता स्वयं महात्मा गांधी ने की। डॉ. राजेंद्र प्रसाद सहित बिहार के अनेक शिक्षाविद, समाजसेवी और सार्वजनिक जीवन के प्रतिनिधि उसमें उपस्थित थे। गांधी ने अपने अध्यक्षीय भाषण की शुरुआत हिंदी में करते हुए कहा मुझे अध्यक्ष का पद देकर, हिंदी में व्याख्यान देने और सम्मेलन का कार्य हिंदी में चलाने की अनुमति देकर आपने मेरे प्रति अपने प्रेम का परिचय दिया है।

यह केवल औपचारिक धन्यवाद नहीं था। यह उस मानसिक दासता के विरुद्ध उद्घोष था जिसने भारतीयों को यह विश्वास दिला दिया था कि आधुनिक ज्ञान, प्रतिष्ठा और प्रगति का माध्यम केवल अंग्रेज़ी ही हो सकती है। गांधी ने विद्यार्थियों से कहा कि जिस राष्ट्र को अपनी भाषा पर विश्वास नहीं होता, वह अपनी आत्मा पर भी विश्वास नहीं कर सकता। शिक्षा तभी लोकतांत्रिक होगी जब वह जनता की भाषा में उपलब्ध होगी।

गांधी का आशय किसी एक भाषा का वर्चस्व स्थापित करना नहीं था। वे भारत की सभी मातृभाषाओं के समान सम्मान के पक्षधर थे। बंगला, तमिल, उड़िया, मराठी, गुजराती, पंजाबी, मैथिली अथवा हिंदी—हर भाषा उनके लिए भारत की सांस्कृतिक चेतना का अभिन्न अंग थी। साथ ही वे यह भी मानते थे कि इतने विशाल देश को जोड़ने के लिए एक ऐसी संपर्क भाषा आवश्यक है जिसे अधिकांश भारतीय सहजता से समझ सकें। इसलिए उन्होंने हिंदी अथवा व्यापक अर्थ में हिंदुस्तानी का समर्थन किया।

गांधी अंग्रेज़ी के विरोधी नहीं थे। वे स्वयं अंग्रेज़ी के गहरे अध्येता थे। उनका विरोध उस व्यवस्था से था जिसमें ज्ञान और अवसर केवल अंग्रेज़ी जानने वाले सीमित वर्ग तक सिमट जाएँ। उनका विश्वास था कि यदि शिक्षा जनता की भाषाओं में उपलब्ध नहीं होगी तो लोकतंत्र भी अधूरा रह जाएगा।

आज, जब भारतीय भाषाओं में चिकित्सा, इंजीनियरिंग और तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में नए प्रयास हो रहे हैं, तब भागलपुर में एक शताब्दी पहले व्यक्त गांधी की यह दृष्टि आश्चर्यजनक रूप से समकालीन प्रतीत होती है। उन्होंने विद्यार्थियों को केवल भाषा का सम्मान करना नहीं सिखाया, बल्कि आत्मविश्वास का पहला पाठ पढ़ाया।

इसका परिणाम...

प्रवीण मालवीय

प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं को कनेक्शन लेना हुआ आसान, 'झटपट पोर्टल' बना आमजन के लिए वरदान

उत्तर प्रदेश में सुशासन और तकनीक आधारित पारदर्शी व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में ऊर्जा विभाग ने उल्लेखनीय परिवर्तन किए हैं। कभी नया बिजली कनेक्शन प्राप्त करने के लिए उपभोक्ताओं को बिजली विभाग के चक्कर लगाने पड़ते थे, लंबी प्रतीक्षा करनी पड़ती थी और प्रक्रिया जटिल मानी जाती थी। आज वही व्यवस्था पूरी तरह बदल चुकी है। ऊर्जा विभाग का ''झटपट पोर्टल'' प्रदेश के लाखों नागरिकों के लिए तेज, सरल, पारदर्शी और भरोसेमंद सेवा का माध्यम बन गया है। मुख्यमंत्री जी का स्पष्ट विजन रहा है कि सरकारी सेवाएं नागरिकों के दरवाजे तक सरल और पारदर्शी रूप में पहुंचें। इसी सोच को साकार करते हुए ऊर्जा विभाग ने बिजली कनेक्शन की प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन और समयबद्ध बनाया है। इसका परिणाम यह है कि आज उपभोक्ता घर बैठे आवेदन कर रहे हैं और निर्धारित समय सीमा में नया बिजली कनेक्शन प्राप्त कर रहे हैं। झटपट पोर्टल की सफलता का सबसे बड़ा प्रमाण इसके माध्यम से जारी किए गए रिकॉर्ड नए बिजली कनेक्शन हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 में झटपट पोर्टल के जरिए 13,98,344 नए बिजली संयोजन जारी किए गए, जबकि वित्तीय वर्ष 2026-27 में केवल जून 2026 तक ही रिकॉर्ड 2,68,885 नए बिजली संयोजन जारी किए जा चुके हैं। आज प्रदेश में बिजली सेवाओं के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ा है और डिजिटल व्यवस्था ने आम नागरिकों का समय, श्रम और धन तीनों बचाए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने ऊर्जा क्षेत्र को प्रदेश के विकास की आधारशिला माना है। उनकी सरकार ने बिजली उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ पारेषण और वितरण व्यवस्था को भी आधुनिक बनाया है। इसका सीधा लाभ आम उपभोक्ताओं तक पहुंचा है। प्रदेश में नए उपकेंद्रों का निर्माण, लाइनों का सुदृढ़ीकरण, ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि और स्मार्ट तकनीकों के उपयोग ने बिजली व्यवस्था को पहले से कहीं अधिक मजबूत बनाया है।झटपट पोर्टल की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि आवेदन से लेकर स्वीकृति और कनेक्शन जारी होने तक की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन है। उपभोक्ता आवेदन की स्थिति भी ऑनलाइन देख सकते हैं। इससे पारदर्शिता बढ़ी है और अनावश्यक कार्यालय की प्रक्रियाओं में कमी आई है। यही कारण है कि प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरी इलाकों तक बड़ी संख्या में लोग इस सुविधा का लाभ उठा रहे हैं। प्रदेश सरकार की प्राथमिकता केवल नए कनेक्शन जारी करना ही नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण और निर्बाध बिजली उपलब्ध कराना भी है। मुख्यमंत्री जी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश ने बिजली आपूर्ति के क्षेत्र में भी राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान बनाई है। प्रदेश का पारेषण तंत्र सुदृढ़ हुआ है और दिनांक 24 जून 2026 को 32673 मेगावॉट की रिकॉर्ड बिजली मांग को पूरा किया है। उत्तर प्रदेश देश में सर्वाधिक बिजली आपूर्ति करने वाले राज्यों में शामिल हो चुका है। मजबूत वितरण व्यवस्था के कारण नए उपभोक्ताओं को भी बिना किसी परेशानी के बिजली उपलब्ध कराई जा रही है।

जरा हटके

प्रदेश सरकार राज्य...

डॉ0 सीमा गुप्ता

सोनभद्र की संजू कुशवाहा ने 'श्री अन्न' प्रसंस्करण से पेश की महिला आत्मनिर्भरता की मिसाल

उत्तर प्रदेश सरकार राज्य में पारंपरिक, पौष्टिक एवं जलवायु-अनुकूल 'श्री अन्न' (मिलेट्स) की खेती और इसकी व्यापक उपयोगिता को बढ़ावा देने के लिए एक ऐतिहासिक व दूरगामी अभियान संचालित कर रही है। प्रदेश सरकार द्वारा संचालित 'उत्तर प्रदेश श्री अन्न (मिलेट्स) पुनरोद्धार कार्यक्रम' के अंतर्गत बाजरा, ज्वार, रागी, सावां, कोदो, कुटकी और मडुआ जैसी पौष्टिक फसलों के उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन तथा विपणन को अभूतपूर्व प्रोत्साहन प्रदान किया जा रहा है। इस राज्यव्यापी पहल का मुख्य उद्देश्य छोटे एवं सीमांत किसानों की आय में सुदृढ़ वृद्धि सुनिश्चित करने के साथ-साथ प्रदेश की जनता को कुपोषण से मुक्त कर एक स्वस्थ जीवनशैली की ओर अग्रसर करना है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच के अनुरूप ही भारत की प्राचीन कृषि संस्कृति के इन मोटे अनाजों को 'श्री अन्न' का गौरवशाली नाम दिया गया और देश की इस पोषण परंपरा ने पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को एक नई वैश्विक पहचान प्रदान की। 'श्री अन्न' की सबसे बड़ी उपयोगिता भारत के ग्रामीण परिदृश्य और देश के ढाई करोड़ से अधिक अन्नदाताओं के जीवन में निहित है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2023 को 'अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष' घोषित किए जाने के बाद से इन स्वदेशी उत्पादों को सीधा अंतर्राष्ट्रीय बाजार और अत्यंत उचित मूल्य मिलना संभव हुआ है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था की नींव और अधिक मजबूत हुई है।

इसी कड़ी में प्रदेश सरकार द्वारा आर्थिक सशक्तिकरण के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए किए जा रहे निरंतर व सुनियोजित प्रयासों की एक अत्यंत सुखद और प्रेरणादायक तस्वीर जनपद सोनभद्र से उभरकर सामने आई है। सोनभद्र जिले के रॉबर्ट्सगंज विकास खंड स्थित ग्राम पंचायत सजौर के मजरा मझिगांव चौबे की निवासी 41 वर्षीय संजू कुशवाहा ने 'श्री अन्न' के प्रसंस्करण से आत्मनिर्भरता की एक नई और अनुकरणीय मिसाल कायम की है। महिला स्वावलंबन की यह मिसाल साबित करती है कि कल्याणकारी नीतियां जब धरातल पर उतरती हैं, तो वे समाज में कितना गहरा और सकारात्मक बदलाव ला सकती हैं।

संजू कुशवाहा ने वर्ष 2020 में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) से जुड़कर अपनी प्रगति का मार्ग प्रशस्त किया। इसके उपरांत, उन्होंने जिला प्रशासन और राज्य सरकार के माध्यम से आयोजित विभिन्न कृषक एवं उद्यमिता प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया। इन क्षमता संवर्धन कार्यक्रमों के जरिए उन्होंने खाद्य प्रसंस्करण तथा मिलेट्स आधारित पौष्टिक उत्पाद तैयार करने की आधुनिक तकनीक को सीखा। यह प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने के पश्चात, संजू ने दिसंबर 2024 में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से 20 हजार रुपये का प्रारंभिक वित्तीय ऋण प्राप्त किया और अपने घर से ही छोटे स्तर पर मिलेट्स कुकीज, बिस्किट, लड्डू और नमकीन का निर्माण कार्य आरंभ किया।

शुरुआती दौर में उत्पादन, पैकेजिंग और विपणन के मोर्चे पर अनेक चुनौतियां सामने आईं, परंतु उन्होंने हार नहीं मानी। संजू ने अपने उत्पादों की शुद्धता, प्राकृतिक स्वाद और उच्च गुणवत्ता पर विशेष ध्यान केंद्रित रखा। इसी निरंतरता और गुणवत्ता के बल पर स्थानीय बाजार में उनके उत्पादों की मांग में तेजी से वृद्धि हुई। कम समय में ही 'श्री अन्न' से निर्मित ये पौष्टिक व्यंजन आम उपभोक्ताओं की पसंद बन गए। संजू की इस अप्रत्याशित और शानदार सफलता से प्रेरित होकर गांव की अन्य आठ महिलाएं भी उनके स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) से जुड़कर इस आर्थिक मुहिम का हिस्सा बन चुकी हैं।

वर्तमान में यह पूरा महिला समूह मिलकर मिलेट्स प्रसंस्करण और पैकेजिंग का कार्य अत्यंत कुशलता और पेशेवर ढंग से संभाल रहा है। इस सामूहिक उद्यम के परिणामस्वरूप, समूह से जुड़ी प्रत्येक महिला आज औसतन 10 हजार रुपये प्रतिमाह की सम्मानजनक आय अर्जित कर रही है। वहीं, इस पूरे उद्यमिता मॉडल का नेतृत्व कर रहीं संजू कुशवाहा स्वयं सभी कच्चे माल और व्यावसायिक खर्चों का निर्वहन करने के पश्चात प्रतिमाह 20 हजार रुपये से अधिक का शुद्ध लाभ अर्जित कर रही हैं। इस आजीविका ने उनके पूरे परिवार का जीवन स्तर और सामाजिक दर्जा पूरी तरह से बदल दिया है। एक समय आर्थिक दबाव के तनाव से गुजरने वाला संजू का परिवार आज पूरी तरह से आत्मनिर्भर, सुरक्षित और खुशहाल है। पूर्व में जहां तीन बच्चों का भरण-पोषण करना भी एक अत्यंत कठिन चुनौती हुआ करती थी, वहीं आज उनकी बड़ी बेटी प्रदेश की राजधानी लखनऊ में रहकर अपनी उच्च शिक्षा सुगमता से प्राप्त कर रही है। इसके अतिरिक्त, वे अपने अन्य दो बच्चों को भी उत्कृष्ट शिक्षा उपलब्ध करा रही हैं। अब उनकी भावी योजना अपने उद्यम की उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से आधुनिक मशीनरी स्थापित करने की है, ताकि इन शुद्ध 'श्री अन्न' उत्पादों को बड़े प्रादेशिक और राष्ट्रीय बाजारों तक व्यावसायिक रूप से पहुँचाया जा सके।

'श्री अन्न' केवल आर्थिक स्वावलंबन का माध्यम नहीं है, बल्कि यह कृषि और स्वास्थ्य के लिए एक प्राकृतिक सुरक्षा कवच भी है। बेहद कम पानी, कम उपजाऊ मिट्टी, सीमित उर्वरक और विपरीत मौसम में भी आसानी से लहलहाने वाली यह फसल पर्यावरण-अनुकूल और टिकाऊ खेती (सस्टेनेबल फार्मिंग) का बेहतरीन उदाहरण है। प्रोटीन, फाइबर, आयरन, कैल्शियम और आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्वों से भरपूर होने के कारण यह एक वास्तविक 'सुपरफूड' है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, आधुनिक जीवनशैली से जुड़ी गंभीर बीमारियों जैसे डायबिटीज और हृदय संबंधी समस्याओं से बचाव में इसे दैनिक आहार में शामिल करना अत्यंत कारगर सिद्ध हो रहा है।

प्रदेश सरकार राज्य में 'श्री अन्न' के इसी बहुआयामी विकास हेतु सभी विकास खंडों में कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का निरंतर आयोजन कर रही है। इसके तहत उन्नत बीजों का पारदर्शी वितरण, तकनीकी मार्गदर्शन और सीधी अनुदान सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने तथा युवाओं व महिलाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करने हेतु किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), स्वयं सहायता समूहों और नवोन्मेषी उद्यमियों को मिलेट्स बीजों के उत्पादन के लिए प्रति एफपीओ 4 लाख रुपये तक की सीडमनी (बीज पूंजी) भी प्रदान की जा रही है। इसके अतिरिक्त, राज्य में मिलेट्स प्रसंस्करण एवं पैकेजिंग केंद्रों की स्थापना को वृहद स्तर पर प्रोत्साहित करने के लिए 50 प्रतिशत तक का भारी सब्सिडी अनुदान दिया जा रहा है।

कानपुर पहुंचे भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष रोहित मिश्रा

मंच से उड़ाया कबूतर, क्रेन से पहनाई गई 250 किलो की माला

स्वागत

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के प्रदेश अध्यक्ष रोहित मिश्रा मंगलवार दोपहर करीब 12:26 बजे कानपुर पहुंचे। गंगा पुल पर कार्यकर्ताओं ने फूल बरसाकर उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान मंच पर टैडीबियर डांस करके उनका अपने अंदाज में स्वागत किया।

कार्यकर्ताओं ने उन्हें हनुमान जी की प्रतिमा भेंट की और कबूतर उड़ाकर शांति का संदेश दिया। शहर में 28 जगह उनके स्वागत की तैयारी की गई है। रोहित मिश्रा ने कहा- यह कोई चुनावी या रणनीतिक बैठक नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं से मिलने का कार्यक्रम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047



के विजन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सुशासन को लेकर युवा मोर्चा जनता के बीच जाएगा। दिल्ली में छात्रों के प्रदर्शन के सवाल पर उन्होंने कहा- किसी तरह की नाराजगी नहीं है। कई वीडियो सामने आए हैं, जिनमें छात्र माफी मांगते दिख रहे हैं। प्रधानमंत्री ने खुद को उनका अभिभावक बताया है और बच्चों ने भी उन्हें माफ कर दिया है। भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रोहित मिश्रा का यशोदा नगर के केशव नगर में भव्य स्वागत किया गया। कार्यकर्ताओं ने क्रेन की मदद से उन्हें 250 किलो की पुष्पमाला पहनाई। इस दौरान नारेबाजी के बीच कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार अभिनंदन किया। श्यामनगर पीएसी के पास भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रोहित मिश्रा के स्वागत में कार्यकर्ताओं का अलग ही उत्साह दिखा। कई कार्यकर्ता बुलडोजर पर चढ़कर जुलूस में शामिल हुए। नारेबाजी और फूल-मालाओं के बीच उनका जोरदार स्वागत किया गया। घंटाघर में भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रोहित मिश्रा के स्वागत के लिए कार्यकर्ता पहले से जुटे हैं।

इस दौरान ढोल की थाप पर डांस कर रहे हैं। जाजमऊ में भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रोहित मिश्रा का भव्य स्वागत किया गया। कार्यकर्ताओं ने उन्हें 51 किलो की पुष्पमाला पहनाकर सम्मानित किया।

इस दौरान मंच पर जोरदार नारेबाजी हुई और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रोहित मिश्रा ने कार्यक्रम के दौरान मंच से कबूतर उड़ाकर शांति और सौहार्द का संदेश दिया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने तालियों के साथ उनका स्वागत किया और कार्यक्रम में उत्साह का माहौल रहा।

भाजपा युवा मोर्चा के जिला मंत्री ऋतुराज मिश्रा ने बताया- प्रदेश अध्यक्ष रोहित मिश्रा के स्वागत की सभी तैयारियां पूरी हैं। घंटाघर चौराहे पर वह भारत माता की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। इसके बाद कार्यकर्ताओं के स्वागत के बीच उनका काफिला माल रोड की ओर रवाना होगा।



- जाजमऊ में भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष रोहित मिश्रा का स्वागत किया।
- मंच से प्रदेश अध्यक्ष ने कबूतर उड़ाकर शांति का संदेश दिया।
- रोहित मिश्रा को कार्यकर्ताओं ने हनुमान जी की प्रतिमा भेंट की।

पति ने सुसाइड किया तो गर्भवती पत्नी ने तेजाब पिया

कानपुर में आईसीयू में एडमिट, 2 साल पहले दिल्ली में लव-मैरिज की थी

तमसा संकेत, एजेंसी



हमीरपुर। यूपी में हमीरपुर के रहने वाले एक युवक ने बेंगलुरु में सुसाइड कर लिया। फंदे पर लटकते वक्त उसने पत्नी को वीडियो कॉल की। पत्नी घबरा गई और घरवालों को यह बात बताई। मां ने तुरंत बेंगलुरु में बेटे के साथियों को फोन किया। कहा कि कमरे में जाकर बेटे को बचाओ। लेकिन, जब तक दरवाजा तोड़कर लोग अंदर पहुंचे, बेटे की मौत हो चुकी थी। पति की मौत की खबर मिलते ही पत्नी ने टायलेट क्लीनर (तेजाब) पी लिया। वह 4 महीने की गर्भवती थी। हालत गंभीर होने पर उसे कानपुर हैलट रेफर किया गया है। 2 साल पहले दोनों ने दिल्ली में लव मैरिज की थी। मामला सोमवार रात 2 बजे जिला मुख्यालय से 60 किमी दूर राठ कस्बे का है। पुलिस ने बताया- युवक का नाम रोहित और पत्नी का नाम नंदिनी है। राठ के फरसौलियाना मोहल्ले का रहने वाला रोहित वर्मा (32) बेंगलुरु में कपड़े की दुकान पर काम करता था। रोहित ने 2 साल पहले दिल्ली की रहने वाली नंदिनी से लव मैरिज की थी। करीब 2 महीने पहले रोहित के पिता वीरेंद्र वर्मा की मौत हो गई थी। तब पिता के अंतिम संस्कार में शामिल होने रोहित और नंदिनी राठ आए थे। कुछ दिन रुककर रोहित दोबारा बेंगलुरु लौट गया था। नंदिनी प्रेग्नेंट होने की वजह से सास के पास ही रुक गई थी। परिवार के मुताबिक, पिछले 3-4 दिन से रोहित और नंदिनी के बीच किसी बात को लेकर लड़ाई चल रही थी। दोनों फोन पर एक-दूसरे से झगड़ा करते थे। पति-पत्नी में झगड़ा इस कदर बढ़ गया था।

फास्ट न्यूज

रास्ते के विवाद पर मारपीट

अम्बेडकरनगर। अंबेडकरनगर के सम्मनपुर थाना क्षेत्र के केशवपुर गांव में मंगलवार को रास्ते के विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, गांव निवासी अनिल तिवारी और अमितेश के बीच रास्ते को लेकर जमीन का पुराना विवाद चल रहा था।

मेरठ में कांवड़ियों के दो गुट भिड़े, सिपाही घायल

लखनऊ/मेरठ/मुजफ्फरनगर/शामली। मेरठ में कांवड़ियों के दो गुटों के बीच मारपीट का मामला सामने आया है। कुछ कांवड़िए कांवड़ के साथ सड़क किनारे बैठे थे। इसी दौरान हरिद्वार जल लेने जा रहे दो अन्य कांवड़ियों की बाइक ने उनकी कांवड़ को टक्कर मार दी। इससे कांवड़ खंडित हो गई। दोनों गुटों में बहस और मारपीट शुरू हो गई। SP अविनाश पांडेय ने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंची। कांवड़ को बाइक से टक्कर मारने वाले सोनू और उसके साथी को जीप से ले जाने लगी, तभी कांवड़ियों ने उन पर हमला कर दिया।

इंटरसिटी एक्सप्रेस की चपेट में आकर युवक की मौत

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर में चिल्हिया थाना क्षेत्र के गौहनियां रेलवे क्रॉसिंग के पास मंगलवार को एक अज्ञात युवक की इंटरसिटी एक्सप्रेस की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना गोरखपुर से लखनऊ जा रही ट्रेन के गुजरने के दौरान हुई। मृतक की उम्र लगभग 30 से 35 वर्ष बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलने पर चिल्हिया पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव को कब्जे में लिया।

तीनों बोल-सुन नहीं पाते थे, एक ही बिस्तर पर खून से सनी लाशें मिलीं

पति-पत्नी और महिला की हत्या

- ट्रिपल मर्डर की बात पता चलते ही मोहल्ले में हड़कंप मच गया। लोगों की भीड़ जुट गई।
- पुलिस ने सबूत जुटाकर तीनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा।

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज में मंगलवार को ट्रिपल मर्डर की सनसनीखेज वारदात हुई। एक ही कमरे के अंदर पति, पत्नी और एक महिला की बेरहमी से हत्या कर दी गई। बिस्तर पर तीनों का खून से लथपथ शव मिला। तीनों बोल-सुन नहीं सकते थे। वारदात का पता तब चला, जब सुबह कमरे का दरवाजा आधा खुला देख पड़ोसियों ने अंदर झांका। लाशें देखकर चीख-पुकार मच गई। आनन-फानन में पुलिस



को सूचना दी गई। पुलिस और फोरेंसिक टीम ने सबूत जुटाकर शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। मकान मालकिन के बेटे को पूछताछ के लिए अपने साथ ले गई। वारदात पुराने शहर के शाहगंज में गढ़ी कला मुहल्ले की है। कबाड़ कारोबारी श्यामलाल ने बताया- वह मृतक दंपति को पिछले 20 सालों से जानते थे। दोनों खुद को कोलकाता का रहने वाला बताते थे। शुरुआत में दोनों फुटपाथ पर ही रहते थे, लेकिन बाद में किराए का मकान लेकर रहने लगे। जिस मकान में वे अभी रह रहे थे, उसमें करीब ढाई साल पहले भी किराए पर रह चुके थे। बीच में वे दूसरी जगह चले गए थे।

मकान मालकिन बोली- पति-पत्नी बोल-सुन नहीं सकते थे

गढ़ी कला मोहल्ले में सुशीला देवी का तीन मंजिला मकान है। बेटे पंकज (30) के साथ ग्राउंड फ्लोर पर रहती हैं। पंकज ऑटो-रिक्शा चलाता है। पति की मौत हो चुकी है। पहली मंजिल पर मृतक दंपति रहते थे। दूसरी मंजिल पर तीन लड़के अतुल सिंह, धनंजय सिंह, ऋषि सिंह रहते हैं। तीनों रेलवे स्टेशन पर घूम-घूमकर खाने का सामान बेचते हैं।

मकान मालकिन ने बताया- दंपति पिछले 6 महीने से हमारे यहां रह रहे थे। कबाड़ बीनने का काम करते थे। उसे मोहल्ले के ही कबाड़ कारोबारी श्यामलाल को बेचते थे। पति-पत्नी मूक-बधिर थे, इसलिए मोहल्ले में कोई उन्हें नाम से नहीं पुकारता था। सोमवार को उनसे मिलने एक महिला आई थी। सुशीला देवी ने बताया- मैंने उसे पहले कभी नहीं देखा था। रिश्तेदार समझकर उनसे कोई पूछताछ भी नहीं की। इसके बाद मैं रात 11 बजे सोने चली गई। मंगलवार सुबह जब उठकर बाहर आई तो उनके कमरे का दरवाजा खुला था। पड़ोसियों को जाकर देखने को कहा। पड़ोसियों ने अंदर झांका, तब पता चला कि तीनों की हत्या हो चुकी है।



किराएदार बोला- रात में भारी चीज के गिरने की आवाज सुनी

दूसरी मंजिल पर किराए पर रहने वाले हरदोई के ऋषि सिंह ने बताया कि 8 महीने से इस मकान में रह रहा हूं। रात में उसने किसी भारी चीज के गिरने की आवाज सुनी। लगा किसी ने सिलेंडर पटक दिया है। लेकिन, नींद में होने की वजह से ध्यान नहीं दिया। सुबह उठने पर पता चला कि नीचे वाले कमरे में तीन लोगों की हत्या हो गई है।

5 साल के बच्चे की कुकर्म के बाद हत्या

गला दबाकर मारा, फिर परिजनों के साथ ढूंढने का नाटक किया

तमसा संकेत, एजेंसी



कानपुर देहात। कानपुर देहात में रविवार शाम 7 बजे एक 5 साल के बच्चे की कुकर्म के बाद गला दबाकर हत्या कर दी गई। बच्चे का शव उसके घर से 700 मीटर दूर एक खेत में मिला। मंगलवार को पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी घटना को अंजाम देने के बाद गांव वापस आ गया था। इसके बाद ग्रामीणों के साथ बच्चे को ढूंढने का नाटक भी कर रहा था। वही परिजनों को शव तक लेकर गया था। आरोपी 4 साल पहले भी ऐसी घटना कर चुका है। इस वजह से ग्रामीणों का शक उस पर गया। जानकारी मिलने पर पुलिस ने उसको हिरासत में लेकर पूछताछ की। आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। उसका कहना है, शराब के नशे में उसने वारदात की है। बच्चे के रोने की वजह से मैं डर गया, तभी उसको मारा। आरोपी का नाम महावीर (25) है। वह अविवाहित है। ये मामला कानपुर देहात के सिकंदरा का है। रविवार शाम बच्चा घर के बाहर खेल रहा था, तभी वह गायब हो गया था। पुलिस को मामले की जानकारी दी गई। पुलिस टीम के साथ मिलकर परिवार के लोगों ने उसकी तलाश की लेकिन कोई सुराग नहीं मिला था। आरोपी भी परिवार के साथ बच्चे को ढूंढता रहा। बाद में शव के पास लेकर पहुंचा।

युवकों को पीटने वालों का जुलूस निकाला

अब मारपीट नहीं करेंगे, मम्मी-पापा की बात मानेंगे

तमसा संकेत, एजेंसी



कानपुर। कानपुर में युवक की बेल्ट और जूतों से पिटाई करने वाले 2 और युवकों को पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद दोनों का घटनास्थल से थाने तक करीब डेढ़ किलोमीटर लंबा जुलूस निकाला गया। इस दौरान दोनों युवकों ने कान पकड़कर रोते हुए माफी मांगी। कहा- माफ कर दीजिए सर। अब मारपीट नहीं करेंगे। मम्मी-पापा की बात मानेंगे और काम करेंगे। गलत संगत से भी दूर रहेंगे। घटना 9 जून को बर्रा थाना क्षेत्र में हुई थी। 27 जुलाई को इसका वीडियो सामने आया था। इसके बाद पुलिस ने 28 जुलाई को 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। आज इन दोनों युवकों को गिरफ्तार किया गया। ये सभी रबाडा गैंग के सदस्य हैं। इन लोगों ने शराब पार्टी के लिए युवकों से 5 हजार रुपए मांगे थे। रुपए नहीं देने पर उनके साथ मारपीट की थी। बर्रा-8 गुजैनी के वरुण विहार में अमन सिंह रहते हैं। उन्होंने बताया था- 9 जून की सुबह करीब 9 बजे मोहल्ले में रहने वाले दिव्यांश पनवाड़ी, यशू, विशू पंडित और आयुष द्विवेदी मेरे पास आए थे। इन लोगों ने शराब पार्टी के लिए मुझसे 5 हजार रुपए मांगे। मैंने रुपए देने से मना कर दिया। इस पर सभी मुझे बर्रा विश्वबैंक के आई-ब्लॉक स्थित पार्क के पीछे सरकारी स्कूल के पास ले गए। वहां उन लोगों ने बेल्ट, जूतों और लात-घूसों से मेरी पिटाई की।

3 मंजिला फर्नीचर शोरूम में लगी आग

2 किमी दूर से दिखा धुआं, 8 से अधिक फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने 4 घंटे में पाया काबू

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। गोविंदनगर थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह करीब साढ़े छह बजे एक तीन मंजिला फर्नीचर शोरूम में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी इमारत को अपनी चपेट में ले लिया और ऊंची-ऊंची लपटों के साथ धुएं का घना गुबार करीब दो किलोमीटर दूर तक दिखाई देने लगा।

आग की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंच गईं। घटना की गंभीरता को देखते हुए फायर ब्रिगेड की आठ से अधिक गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने करीब चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग की भयावहता को देखते हुए पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

आग के दौरान शोरूम में छह लोगों के फंसे होने की आशंका जताई गई थी।

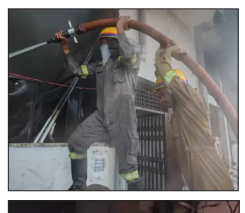
> सीएफओ दीपक शर्मा ने बताया- कंट्रोल रूम से गोविंद नगर में फर्नीचर शोरूम में आग लगने की सूचना मिली थी। मौके पर फ़ज़लगंज, किदवई नगर की करीब 8 फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर हैं। इसके साथ ही वाटर स्पेशलाइज्ड गाड़ी भी भेजी गई है। हमने तीन तरफ से बिल्डिंग को घेरकर आग बुझाने की कोशिश की। आग पर काबू पा लिया गया है।

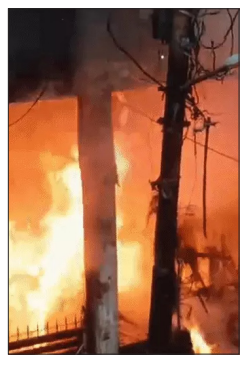


राहत और तलाशी अभियान के बाद किसी के अंदर फंसे होने की पुष्टि नहीं हुई। एहतियात के तौर पर पुलिस ने गोविंदनगर के पुराने पुल पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बंद करा दी, ताकि राहत एवं बचाव कार्य में किसी प्रकार की बाधा न आए। भीषण आग में शोरूम की तीनों मंजिलें पूरी तरह जलकर राख हो गईं।

प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक करीब दो करोड़ रुपये का फर्नीचर और अन्य सामान आग की भेंट चढ़ गया। हालांकि इस हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, जिससे प्रशासन और स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली।

दमकल विभाग और पुलिस ने आग पर काबू पाने के बाद घटनास्थल का निरीक्षण किया। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस और फायर विभाग मामले की जांच में जुटे हैं और नुकसान का आकलन किया जा रहा है।





कारोबारी ने कहा- करीब 2 करोड़ का नुकसान हुआ

श्याम लाल कुकरेजा की बिल्डिंग है, 5 साल पहले फर्नीचर करोबारी गौरव भसीन ने बिल्डिंग किराए पर ली थी। बिल्डिंग के फर्स्ट और थर्ड फ्लोर पर उन्होंने गोदाम बना रखा है, जबकि सेकेंड फ्लोर पर शोरूम है। फर्नीचर कारोबारी गौरव भसीन ने बताया- उनका करीब 25 साल पुराना कारोबार है। मंगलवार तड़के 5:30 बजे शोरूम के सामने लगे खम्बे में शॉर्ट शर्किट होने की वजह से आग लगी थी।

टिप्पणी : कानपुर में बोले- आरोपी के घर बुलडोजर चले, पुलिस ने 24 घंटे का समय मांगा

गुरु गोविंद सिंह पर टिप्पणी पर सिखों ने थाना घेरा

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर में गुरु गोविंद सिंह और सिख समुदाय पर टिप्पणी के विरोध में मंगलवार सुबह 10 बजे सिखों को गुस्सा फूट गया। करीब डेढ़ सौ से अधिक सिखों ने फजलगंज थाने का घेराव कर लिया और हंगामा शुरू कर दिया। थाने के गेट पर ही नारेबाजी करने लगे। हंगामा बढ़ता देख करीब 5 थानों की पुलिस फोर्स मौके पर हैं। प्रदर्शन करने पहुंचे लोगों ने आरोपी के घर बुलडोजर चलाने और एनएसए की मांग पर अड़े हैं। इस दौरान सिख समुदाय के लोग कालपी रोड पर बैठ गए और जाम लगा दिया और वाहे गुरु का जाप करने लगे। एसीपी ज्योति श्री सिख समुदाय के लोगों को समझाने की कोशिश की। करीब 3 घंटे तक हंगामा चला। इस दौरान पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी को 24 घंटे का



- गुरु गोविंद सिंह पर अभद्र टिप्पणी के विरोध में कानपुर के फजलगंज थाने का घेराव करते सिख समुदाय के लोग।

समय मांगा है। इसके बाद सिख समाज के लोगों ने धरना खत्म कर दिया। लेकिन जाते समय कहा कि अगर गिरफ्तारी नहीं हुई तो कल फिर आएंगे। थाने के अंदर सिख संगठन के पदाधिकारी व एसीपी स्वरूप नगर ज्योति श्री के साथ बातचीत जारी है। इस दौरान अधिवक्ता मोहनजीत सिंह गंभीर ने आक्रोशित लोगों को समझाते हुए कहा कि आरोपी की गिरफ्तारी होने दीजिए। जिस दिन वह कचहरी आएगा उस दिन बेल का विरोध किया जाएगा।

करीब 1 घंटे तक पुलिस से बातचीत में आरोपी की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया है



सुमित सिंह ने कहा-करीब 1 घंटे तक अधिकारियों के साथ बैठक चली है। पुलिसकर्मियों ने आरोपी को खिलाफ कार्रवाई को लेकर 24 घंटे का समय मांगा है। अब धरना खत्म हो गया है लेकिन गिरफ्तारी नहीं हुई तो कल फिर साढ़े 10 बजे थाने का घेराव करेंगे। सपा नेता गगनदीप सिंह ने कहा- अजय सिंह खुद को भाजपा का जिलाध्यक्ष बताता है। हमसे दुश्मनी थी तो हम लोगों से कहते। लेकिन उसने हमारे गुरुओं का अपमान किया है। अगर उसकी गिरफ्तारी नहीं हुई तो कलेक्ट्रेट भी घेरेंगे।

आरोपी अजय सिंह ने अभद्र टिप्पणी के 36 घंटे बाद मांगी माफी

खुद को बीजेपी नेता बताने वाले आरोपी अजय सिंह ने 36 घंटे बाद मंगलवार सुबह एक गुरुद्वारे से वीडियो जारी करके मांफी मांगी। मैंने जो गलती की है, गुरु गोविंद सिंह जी का नाम लेके, मैं उसकी गलती मानता हूं। मैं गुरुद्वारा आके, मैं गुरुद्वारा साहिब से माफी मांगता हूं। अब मुझसे दोबारा ऐसी गलती नहीं होगी। सिख समुदाय के लोगों के प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने 15 मिनट का समय मांगा। कहा कि आरोपी पर धाराएं बढ़ाई जाएंगी। इसी के आश्वासन के बाद लोगों ने जाम खोला।

> वहीं, आरोपी अजय सिंह ने एक गुरुद्वारे से वीडियो जारी करके मांफी मांगी। बोला- मैंने गुरु गोविंद सिंह जी का नाम लेके जो गलती की है। उसके लिए माफी मांगता हूं।

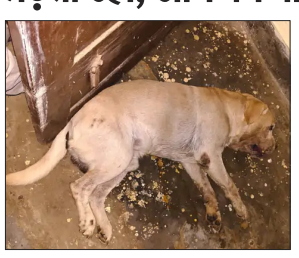
मालिक की जान बचाने के लिए कोबरा से भिड़ा कुत्ता

बलिया में एक घंटे तक लड़ता रहा, सांप को मारकर खुद भी नहीं बचा

- कुत्ते ने कोबरा को दबोच लिया। दोनों के बीच करीब 1 घंटे तक लड़ाई चलती रही। अंत में कुत्ते ने कोबरा को मार डाला।
- दानिश के घर में टॉमी 8 साल से रह रहा था। उसकी मौत के बाद परिवारवालों ने अंतिम संस्कार किया।

तमसा संकेत, एजेंसी

बलिया। बलिया में एक लैब्राडोर कुत्ते ने अपने मालिक के परिवार को कोबरा से बचाने के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी। रविवार रात करीब 2 बजे कुत्ते को घर के बाहर एक



कोबरा दिखाई दिया। कोबरा फन फैलाकर फुफकार रहा था। इसके बाद कुत्ता लगातार भौंकने लगा। इसी दौरान कोबरा ने कुत्ते पर हमला कर दिया। फिर कुत्ते ने भी कोबरा को दबोच लिया। सांप लगातार हमला करता रहा, लेकिन कुत्ते ने उसे नहीं छोड़ा। दोनों के बीच करीब एक घंटे तक संघर्ष चलता रहा, जबकि परिवारवाले इस लड़ाई को देखते और वीडियो बनाते रहे। आखिरकार कुत्ते ने कोबरा को मार डाला। लेकिन, इस लड़ाई में कुत्ता भी कोबरा के जहर का शिकार हो गया। 30 मिनट बाद कुत्ते की भी मौत हो गई। इस पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है। घटना बेल्थरा रोड क्षेत्र की है। उभांव गांव में दानिश अपने परिवार के साथ रहते थे। वह ईंट भट्ठा चलाते हैं।

दानिश ने अपने घर में 8 साल से टॉमी नाम का लैब्राडोर कुत्ता पाल रखा है। रविवार रात एक कोबरा सांप दानिश के घर में घुसने की कोशिश कर रहा था। कोबरा को सबसे पहले टॉमी ने देखा। इसके बाद टॉमी लगातार भौंकने लगा। टॉमी का शोर सुनकर दानिश और उनके परिवार वाले भी जाग गए। इसी बीच टॉमी खुद कोबरा से भिड़ गया।

शिया समुदाय ने निकाला चेहल्लुम का जुलूस

घासीगंज कर्बला में ताजिये दफन, अंजुमन ने किया नौहा-मातम

मातम

तमसा संकेत, एजेंसी

सुलतानपुर। जिले में मंगलवार को चेहल्लुम के अवसर पर परंपरागत मातमी जुलूस निकाला गया। खैराबाद स्थित इमामबाड़ा अबूतालिब से शुरू हुए जुलूस में अंजुमन गुंचए मजलूमिया के सदस्यों ने नौहा और मातम कर कर्बला के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। जुलूस में बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए और इमाम-ए-हुसैन व उनके साथियों की शहादत को याद किया। लगातार बारिश के कारण खैराबाद और दरियापुर क्षेत्र में सड़कों पर जलभराव हो गया था। इसे देखते हुए प्रशासन और आयोजकों ने जुलूस के समय में बदलाव किया।



पहले यह जुलूस सुबह 10:30 बजे निकलना था, लेकिन परिस्थितियों को देखते हुए इसे दोपहर 12:30 बजे शुरू किया गया। डॉ. नैयर रजा जैदी ने बताया कि चेहल्लुम का जुलूस कर्बला के शहीदों के चालीसवें की याद में निकाला जाता है। उन्होंने कहा कि इमाम-ए-हुसैन और उनके साथियों की शहादत के बाद यजीद ने उनके परिवार की महिलाओं और बच्चों को कैद कर दमिश्क भेज दिया था, जहां उन्हें लंबे समय तक कैद में रखा गया। रिहाई के बाद हुसैन की बहन ने दमिश्क में पहली मजलिस आयोजित की और इसके बाद काफिला कर्बला पहुंचा, जहां शहीदों की कब्रों पर नौहा और मातम किया गया। इसी परंपरा की याद में हर वर्ष चेहल्लुम मनाया जाता है।

जुलूस का संदेश-मजलूमों के साथ खड़े रहने का संकल्प

डॉ. जैदी ने कहा कि चेहल्लुम का संदेश अन्याय और अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाने का है। उन्होंने कहा कि यह जुलूस दुनिया को यह संदेश देता है कि इंसानियत हमेशा मजलूमों के साथ खड़ी रहती है, न कि जालिमों के साथ। जुलूस में मोहम्मद नजीर, शफाअत हुसैन, डॉ. जफर, मोहम्मद हैदर, हसन अब्बास, अली जाफरी, आसिम सज्जाद, गुफरान मिर्जा, अजहर अब्बास सहित बड़ी संख्या में अकीदतमंद और स्थानीय नागरिक शामिल हुए। पूरे आयोजन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था भी चाक-चौबंद रही।



कई प्रमुख मार्गों से होकर गुजरा जुलूस

मातमी जुलूस खैराबाद से शुरू होकर अन्नू चौराहा, बाधमंडी चौराहा, जमाल गेट और दरियापुर तिराहा होते हुए घासीगंज स्थित कर्बला पहुंचा। बाधमंडी चौराहे पर अकीदतमंदों ने जंजीर और कमे का मातम किया। अंत में कर्बला पहुंचकर ताजियों को सुपुर्द-ए-खाक किया गया।





मथुरा बस स्टैंड पर जलभराव को लेकर सपा नेता अनिल अग्रवाल ने उठाए सवाल



तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। समाजवादी पार्टी के नेता एवं मथुरा-वृंदावन विधानसभा से जुड़े अनिल अग्रवाल ने शहर में हुई बारिश के बाद बस स्टैंड क्षेत्र में जलभराव और यातायात व्यवस्था को लेकर प्रशासन पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि हल्की बारिश में ही बस स्टैंड और आसपास की सड़कें जलमग्न हो जाती हैं, जिससे लोगों को घंटों जाम और आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ता है। उनका आरोप है कि हर वर्ष ऐसी स्थिति बनने के बावजूद स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा है।

अनिल अग्रवाल ने कहा कि जनता अब केवल आश्वासन नहीं, बल्कि बेहतर सड़कें, प्रभावी जल निकासी व्यवस्था और निर्बाध यातायात चाहती है। उन्होंने प्रशासन से जलभराव और ट्रैफिक जाम की समस्या के स्थायी समाधान के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की।

फास्ट न्यूज

अलीगढ़ में 2 मिनट में कार चोरी

अलीगढ़। अलीगढ़ के रोरावर थाना क्षेत्र में कार चोरी की वारदात सामने आई है। हिंदुस्तान धर्म कांटे के पास खड़ी कार को दो बदमाश देर रात चोरी कर ले गए। पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। अब पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है। अलहदादपुर निवरी निवासी सागर पुत्र मोहम्मद अली ने बताया कि उन्होंने अपनी कार (HR 51 CA 6380) रोज की तरह हिंदुस्तान धर्म कांटे के पास खड़ी कर लॉक कर दी थी।

अमीना ताइक्वांडो अकादमी ने जीते 9 स्वर्ण सहित 15 पदक

सुलतानपुर। लखनऊ में आयोजित राज्य स्तरीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप में सुल्तानपुर की अमीना ताइक्वांडो अकादमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 9 स्वर्ण, 5 रजत और 1 कांस्य सहित कुल 15 पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता का आयोजन उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो एसोसिएशन के तत्वावधान में लखनऊ जिला ताइक्वांडो एसोसिएशन द्वारा केडी सिंह बाबू स्टेडियम स्थित भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी बहुउद्देशीय हॉल में किया गया। जूनियर वर्ग में प्रियांशु तिवारी (78 किग्रा) और साक्षी (63 किग्रा) ने स्वर्ण पदक जीतकर अक्टूबर में ओडिशा में होने वाली राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप के लिए अपना स्थान पक्का किया।

डॉ. नदीम खान ने आज़ाद समाज पार्टी जॉइन की

अलीगढ़। अलीगढ़ के डॉ. नदीम खान ने आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) की सदस्यता ग्रहण कर ली है। उन्होंने दिल्ली में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट चंद्रशेखर आज़ाद के आवास पर जाकर पार्टी का दामन थामा। डॉ. नदीम खान अलीगढ़ के अतरौली तहसील क्षेत्र के ग्राम समसपुर (थाना पाली मुकीमपुर) के निवासी हैं। उन्होंने यह सदस्यता अपने बड़े भाई राजा भैया के नेतृत्व और जिला अध्यक्ष के.के. भाई की उपस्थिति में ली।

कोर्ट से बरी होने के बाद वृंदावन पहुंचे पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह

तमसा संकेत, संवाददाता

वृंदावन। कोर्ट से बरी होने के बाद गोंडा के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह मंगलवार को वृंदावन पहुंचे। यहां उन्होंने आनंदम धाम में सद्गुरु रितेश्वर महाराज से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया। आश्रम पहुंचने पर संतों, पदाधिकारियों और समर्थकों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान उन्हें माला और पटुका पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और समर्थक मौजूद रहे।



आनंदम धाम में सद्गुरु रितेश्वर महाराज से मुलाकात के दौरान बृजभूषण शरण सिंह ने आध्यात्मिक विषयों के साथ-साथ देश, समाज और सनातन संस्कृति से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने अपने आगामी सामाजिक कार्यों के लिए सद्गुरु से आशीर्वाद भी प्राप्त किया। पत्रकारों से बातचीत में बृजभूषण शरण सिंह ने अदालत से बरी होने के बाद न्यायपालिका के प्रति सम्मान व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उन्हें न्याय व्यवस्था पर पूरा विश्वास था और अदालत के निर्णय का सम्मान करते हैं। उन्होंने इस दौरान अपने समर्थकों का भी आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए थे। आश्रम परिसर और आसपास पुलिस बल तैनात रहा। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद बृजभूषण शरण सिंह अपने अगले निर्धारित कार्यक्रम के लिए रवाना हो गए।

ड्यूटी के दौरान अचानक तबियत बिगड़ी, सुरक्षाकर्मी अस्पताल ले गए, परिवार ने हंगामा किया

ताजमहल के गेट पर एएसआई कर्मचारी की मौत

- ताजमहल के पास बेहोश होकर गिरे एएसआई कर्मचारी को सुरक्षाकर्मी उठाकर ले गए।
- कर्मचारी को एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया, वहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। ताजमहल में ड्यूटी पर आ रहे भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के कर्मचारी मंगलवार सुबह करीब 11 बजे अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। वेस्ट गेट के पास बेहोश होने पर वह गिर पड़े। मौजूद सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। एएसआई में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी कैलाश (54) आगरा के ही सिकंदरा क्षेत्र के निवासी थे। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) में एमटीएस (मल्टी टास्किंग स्टाफ) के पद पर कार्यरत थे। यह पद चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की श्रेणी में आते हैं। मंगलवार सुबह वह साइकिल से अपने घर से ड्यूटी के लिए निकले थे। ताजमहल के पश्चिमी गेट पार्किंग में साइकिल खड़ी करने के बाद वह वेस्ट गेट से ताजमहल परिसर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई और वह बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़े। मौके पर मौजूद सीआईएसएफ, एएसआई और अन्य सुरक्षा कर्मियों ने तत्काल उन्हें शांति मांगलिक अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। चिकित्सकों के अनुसार, प्रारंभिक तौर पर मौत का कारण हार्ट अटैक माना जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंच गए।





उनका आरोप है कि डॉक्टरों ने कैलाश को भर्ती नहीं किया। इलाज शुरू किए बिना ही मृत घोषित कर दिया। उनका कहना है कि यदि समय पर इलाज मिलता तो उनकी जान बचाई जा सकती थी। इसी आरोप को लेकर अस्पताल परिसर में हंगामा हो गया। सूचना मिलने पर आगरा और बसई पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने परिजनों को समझाकर स्थिति को शांत कराया और आवश्यक कानूनी कार्रवाई के तहत शव को सरकारी अस्पताल भिजवाया।

आगरा स्टेडियम के कोच पर कुकर्म का आरोप

खिलाड़ी बोला-शौचालय में यौन उत्पीड़न किया, 10 दिन बाद हुई एफआईआर, कोच ने कहा- आरोप गलत

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा में एकलव्य स्पोर्ट्स स्टेडियम से लापता टेबल टेनिस खिलाड़ी का चार दिन बाद भी कोई सुराग नहीं मिला है। पुलिस तलाश में जुटी है। स्टेडियम के ही एक जिम्नास्टिक खिलाड़ी ने कोच पर शौचालय में ले जाकर कुकर्म की कोशिश का आरोप लगाया है। आरोप लगाने के 10 दिन बाद 2 अगस्त को थाना सदर में एफआईआर दर्ज की गई। पीड़ित 18 वर्षीय खिलाड़ी के चाचा ने बताया कि भतीजा कई दिन से गुमसुम था। वह खाना भी नहीं खा रहा था। पूछने पर उसने रोते हुए बताया कि कोच जावेद उसे लड़की और किन्नर कहकर परेशान करते हैं। आरोप है कि 22 जुलाई कोच ने उसे जल्दी बुलाकर जबरन शौचालय में ले जाकर अप्राकृतिक कृत्य का प्रयास किया। तभी अन्य खिलाड़ी आने से वह भाग निकला। 31 जुलाई को स्टेडियम जाने पर कोच ने धमकाया और कहा कि बताया तो जान से मार देगा। कोच ने चाचा को भी धमकाया। एसीपी सदर राम प्रवेश गुप्ता ने बताया कि स्टेडियम में जिमनास्टिक कोच की तैनाती संविदा पर हुई है। तीन साल से एक अन्य कोच तैनाती करवाने के प्रयास में हैं। वह शिकायतकर्ता के संपर्क में है। स्टेडियम के अन्य कोच से पूछताछ की गई है। उनसे बात करने पर सामने आया है कि शिकायतकर्ता का परिचय कोच के रूप में नियुक्त होना चाहता हैं। आरोपी कोच के बारे में अन्य खिलाड़ियों से भी इसी तरह की शिकायत कराई जा रही है। आरएसओ संजय शर्मा ने कहा-खिलाड़ियों के चयन की प्रक्रिया बोर्ड के माध्यम से होती है। इसमें कोच की कोई भूमिका नहीं होती है। जिस खिलाड़ी ने आरोप लगाए हैं, उसके मामले में पुलिस को जानकारी दी जाएगी।



कोच बोले- पहले भी आरोप लगे, सब गलत साबित हुए

कोच जावेद ने बताया कि मैं आगरा के नेन्ना ब्राह्मण में रहता हूं। शिकायतकर्ता किसी खिलाड़ी का कोई रिश्तेदार ही नहीं है। ललित पहले माउंटआबू में प्राइवेट स्कूल में कोच था। फिर इटावा सरकारी स्टेडियम में कोच बना, लेकिन इन्हीं हरकतों की वजह से 3 महीने में वहां से निकाल दिया गया। मैं भी इटावा में संविदा कोच था। मेरी कार्य क्षमता देखकर 2021 में मेरा ट्रांसफर आगरा एकलव्य स्टेडियम में हुआ। इटावा से निकाले जाने के बाद से ये स्टेडियम में कोच बनने के लिए मुझ पर गलत आरोप लगा रहा है। NS और NI हम दो ही कोच हैं, ये मुझे हटाकर खुद आना चाहता है। पहले भी अज्ञात में शिकायत कर चुका है। कई बार CDO ऑफिस से जांच आई। हर बार जांच हुई और हर बार मैं निर्दोष पाया गया। जांच में खंडन हो चुका है।

मामले से संबंधित साक्ष्य संकलित किए जाएंगे। जिमनास्टिक कोच जावेद ने बताया-मेरे ऊपर लगे सभी आरोप निराधार हैं। जिले में दो ही डिप्लोमाधारी हैं। दूसरे का चयन स्टेडियम में नहीं हो सका है।

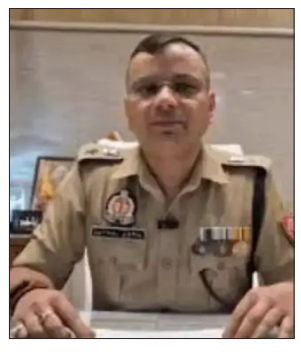
मुरादाबाद में 2 सिपाही सस्पेंड

ड्यूटी से गायब हो गए थे, शराब पीकर नशे में कांवड़ियों से अभद्रता की थी

तमसा संकेत, एजेंसी

बिलारी। मुरादाबाद में कांवड़ यात्रा की ड्यूटी के दौरान बड़ी लापरवाही सामने आई है। ड्यूटी से गायब होकर शराब के नशे में हंगामा करने और कांवड़ियों से अभद्रता करने के आरोप में दो सिपाहियों को निलंबित कर दिया गया है। मेडिकल जांच में दोनों के शराब पीने की पुष्टि हुई है।

एसएसपी सतपाल अंतिल ने सोमवार देर शाम सिपाही गौरव कुमार और राम मोहन शर्मा को निलंबित कर पुलिस लाइन भेज दिया। साथ ही पूरे मामले की विभागीय जांच के आदेश भी दिए हैं। दोनों सिपाहियों की ड्यूटी सावन और कांवड़ यात्रा के दौरान समदगढ़ और गढ़ी-सलेमपुर प्वाइंट पर लगाई गई थी। आरोप है कि रविवार रात दोनों बिना किसी सूचना के ड्यूटी छोड़कर चले गए।



इसके बाद दोनों अपनी कार से मुरादाबाद-हरिद्वार स्टेट हाईवे पर पहुंचे और शराब के नशे में लापरवाही से गाड़ी चलाने लगे। रास्ते में लगातार हॉर्न बजाते रहे और लोगों से बहस करते रहे।हंगामा करते हुए दोनों पचोकरा स्थित शिव मंदिर के पास पहुंचे। यहां उन्होंने कांवड़ यात्रियों से गाली-गलौज और अभद्रता की।

मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने जब उन्हें रोकने की कोशिश की तो उन्होंने उनसे भी बदसलूकी और हाथापाई की। सूचना मिलने पर छजलैट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों सिपाहियों को हिरासत में लेकर थाने ले गई। सोमवार सुबह कांठ के सरकारी अस्पताल में उनका मेडिकल कराया गया, जिसमें शराब पीने की पुष्टि हुई।

छजलैट पुलिस की रिपोर्ट और कांठ थाने में दर्ज गैरहाजिरी की रिपोर्ट के आधार पर एसएसपी सतपाल अंतिल ने दोनों सिपाहियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। मामले की विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है। सूचना मिलने पर छजलैट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों सिपाहियों को हिरासत में लेकर थाने ले गई।

सोमवार सुबह कांठ के सरकारी अस्पताल में उनका मेडिकल कराया गया, जिसमें शराब पीने की पुष्टि हुई।

पृष्ठ 01 का शेष...

'सपा का आचरण ...

सपा विधायकों को मनाने नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय पहुंचे। उन्होंने सचिन यादव और अन्य विधायकों से बातचीत की। माता प्रसाद पांडेय के समझाने के बाद सचिन यादव ने धरना खत्म कर दिया। हुआ यूं कि सपा के हंगामे के बीच सीएम योगी बोल रहे थे। तभी सचिन यादव ने उनकी फोटो लहराई। इस पर महाना भड़क गए। वह कुर्सी छोड़कर खड़े हो गए। माइक फेंकते हुए चिल्लाकर कहा- आप मुख्यमंत्री जी की फोटो के साथ ऐसा नहीं कर सकते। आपको पूरे सत्र के लिए सदन से बाहर निकाला जाता है। आप बाहर जाइए, नहीं तो विधायकी से बर्खास्त करवा दूंगा। इसी बीच योगी भी खड़े हो गए। उन्होंने कहा- ये लोग लोकतंत्र की खिल्ली उड़ाना चाहते हैं। इसलिए सदन का माहौल खराब कर रहे हैं। सरकार सदन में हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। इसके बाद भी सपा विधायक हंगामा करते रहे। भाजपा विधायक भी सपा के खिलाफ नारे लगाने लगे। इसी बीच सपा-भाजपा की महिला विधायक आमने-सामने आ गईं। हंगामा बढ़ता देख विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही बुधवार सुबह 11 बजे तक स्थगित कर दी। इससे पहले, विधानसभा की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू हुई, लेकिन सिर्फ 20 मिनट ही चल सकी। सपा विधायकों के हंगामे के चलते विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही दोपहर 12:20 बजे तक स्थगित कर दी। दोबारा कार्यवाही शुरू होने पर वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 59,019 करोड़ रुपए का अनुपूरक बजट पेश किया। सपा विधायक सचिन यादव ने कहा कि नियम 311 के तहत माता प्रसाद पांडेय जी ने सरकार को नोटिस दिया था। हम लोग चाहते थे कि सदन की कार्यवाही रोककर प्रभु श्री राम जी का चढ़ावा चोरी होने के मुद्दे पर सदन में चर्चा हो। लेकिन सरकार ने उसे रिजेक्ट कर दिया, माना नहीं और कहा कि यह कोई रिसेंट (हालिया) मुद्दा नहीं है। चढ़ावा चोरी से बड़ा मुद्दा क्या है? प्रभु श्री राम जी के पैसे की चोरी से बड़ा मुद्दा क्या है? आस्था से बड़ा मुद्दा क्या है? लोगों द्वारा जो पुण्य का चढ़ावा चढ़ाया गया, उससे बड़ा क्या मुद्दा है? सरकार मुद्दों से बचना चाह रही थी। जब उन्होंने उस मुद्दे पर चर्चा नहीं होने दी, तो हम लोगों को मजबूरन वेल में जाना पड़ा। जब वेल में गए, तो मुख्यमंत्री जी का जो बयान था, वही उन्हें दिखाने का काम किया। उन्होंने कहा था कि 'दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा'। अपने ही बयान को देखकर वे चिढ़ गए और निष्कासन कर दिया। विधायक सचिन ने कहा कि अब हम विधानसभा की कार्यवाही का हिस्सा तो बन नहीं सकते, इसलिए हम लोग बाहर बैठकर ही अपना योगदान देंगे। फिरोजाबाद जिले की जसराना विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी के विधायक सचिन यादव को यूपी विधानसभा की कार्यवाही के दौरान पूरे दिन के लिए सदन से बाहर कर दिया गया। इसके बाद वह विधानसभा परिसर में चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के नीचे छाता लेकर धरने पर बैठ गए। सचिन यादव ने अपने निष्कासन का विरोध करते हुए विधानसभा परिसर में धरना दिया। इस दौरान वहां सुरक्षाकर्मी और अन्य लोग भी मौजूद रहे। सपा विधायकों के हंगामे पर राजा भैया नाराज हो गए। उन्होंने कहा- भारत में संविधान का शासन है। ऐसा नहीं है कि चौराहे पर गोली मार दी जाए या फांसी पर चढ़ा दिया जाए। न्याय की एक प्रक्रिया है और उसी के हिसाब से कार्रवाई हो रही है। चढ़ावा चोरी पर सबसे ज्यादा घड़ियाली आंसू वही लोग बहा रहे हैं, जिन्होंने चवन्नी का चंदा भी नहीं दिया। राजभैया ने कहा- चंदा देना तो दूर की बात है, जिनकी इच्छा थी कि श्रीराम मंदिर कभी बने ही नहीं, उनका असली चेहरा जनता के सामने आ रहा है। मंदिर बनकर तैयार हुआ तो उनके दल के विधायक दर्शन करने तक नहीं गए। सांसद पप्पू यादव के प्रदर्शन पर राजभैया ने कहा- चढ़ावा चोरी में CCTV में पकड़े गए लोगों में कोई साधु, संत या भगवा वेशधारी है क्या? यह तो भगवा का अपमान है। प्रभु राम का चित्र और भगवा वस्त्र एक सांसद के चरणों में अर्पित किया जा रहा था। यह सब हम लोगों ने देखा है। देश की जनता इसे याद रखे। आने वाले दिनों में सूद-ब्याज समेत इसका हिसाब दिया जाएगा। दिर ट्रस्ट में उसका कोई हस्तक्षेप नहीं है। यह ट्रस्ट सरकार ने नहीं, बल्कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद बना था। इसके बावजूद सपा के लोगों ने इसे लेकर तमाम आरोप लगाए और उल्टी-सीधी बातें कहीं। सपा-कांग्रेस का आचरण हमेशा से सनातन विरोधी रहा है। मैंने पहले भी कहा है कि इस मामले में जो लोग पकड़े गए हैं, उनका बीजेपी से कोई संबंध नहीं रहा है। उन्होंने कहा- ये लोग आज राम मंदिर की बात कर रहे हैं, जबकि हमेशा से इसका विरोध करते रहे हैं। 2024 में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के दौरान इन्हें निमंत्रण मिला था, लेकिन ये लोग वहां नहीं गए। ये वही लोग हैं, जिन्होंने राम मंदिर की गलियों को रक्तरंजित किया और मंदिर का विरोध किया। ये लोग सनातन विरोधी हैं। इस मामले में किसी भी साधु संत की संलिप्तता नहीं पाई गई। 1100 से अधिक लोग उस प्रांगण में काम करते हैं जिनमें से 8 लोगों की भूमिका पाई गई... इसके लिए साधु-संतो, अयोध्या भूमि, मंदिर, कर्मचारियों को बदनाम करना, ये आश्चर्यजनक स्थिति है। ये आरोप वे सपा और कांग्रेस लगा रही है जिन्होंने सदैव रामजन्मभूमि और श्री राम का अपमान किया है।

7 साल में 274 ...

2022 में 40, 2023 में 100, 2024 में 107, 2025 में 112 और 2026 में अब तक 182 रेड नोटिस जारी किए जा चुके हैं। पिछले तीन वर्षों में कुल 401 भगोड़े अपराधियों के खिलाफ रेड नोटिस जारी हुए। गृह मंत्रालय ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री के मार्गदर्शन में प्रत्यर्पण अनुरोध अब अधिक पेशेवर तरीके से तैयार किए जा रहे हैं। संबंधित देशों की कानूनी अपेक्षाओं के अनुरूप आवश्यक दस्तावेज और लिखित आश्वासन भी दिए जाते हैं। सरकार ने बताया कि 2024 में लागू नए आपराधिक कानूनों में पहली बार BNSS की धारा 355 और 356 के तहत भगोड़े आरोपियों के खिलाफ अनुपस्थिति में मुकदमा चलाने का प्रावधान किया गया। इसके अलावा CBI ने स्पेशल ग्लोबल ऑपरेशंस सेंटर स्थापित किया है और राज्यों व केंद्रीय एजेंसियों में इंटरपोल कॉन्टैक्ट ऑफिसर नियुक्त किए हैं। ऑपरेशन त्रिशूल के तहत इंटरपोल की मदद से सैटेलाइट, डिजिटल फुटप्रिंट और प्रोफाइल मैपिंग के जरिए विदेशों में छिपे भगोड़ों का पता लगाया जा रहा है। कई मामलों में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कानूनी प्रक्रिया भी तेज की गई है।

यूपी में 13 आईएएस...

2008 बैच के IAS अधिकारी हैं। मूल रुप से दिल्ली के रहने वाले हैं। IAS बनने से पहले उन्होंने चार्टेड अकाउंटेंट की पढ़ाई की है। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से MBA भी किया है। उनकी पहली पोस्टिंग ज्वाइंट मजिस्ट्रेट फर्रुखाबाद में हुई थी। इसके बाद उन्हें रामपुर का CDO बनाया गया। रामपुर में ही वह डीएम भी रहे। कृषि विभाग के सचिव थे। अब गोरखपुर का नया कमिश्नर नियुक्त किया गया।

आरएसएस इतिहास ...

कुछ ऐसे नासमझ लोग हैं जो तमिल, मराठी और बंगाली लोगों को नहीं समझते और कहते हैं कि इनमें से कोई भी इतिहास या कल्पना काम की नहीं है संविधान में स्पष्ट लिखा है कि इंडिया, यानी भारत, राज्यों का एक संघ है और राज्य भारत के लोगों की अभिव्यक्ति हैं। राहुल गांधी ने मंगलवार को ही रक्षा मामलों की संसदीय स्थायी समिति की बैठक में मीडिया रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए कहा कि सैनिक स्कूलों में RSS की दखल बेवजह बढ़ रही है। इस पर समिति के चेयरमैन राधा मोहन सिंह ने राहुल से अपने दावे के समर्थन में दस्तावेज पेश करने को कहा है। चेयरमैन ने स्पष्ट किया कि राहुल जो भी दस्तावेज देंगे, उन्हें स्पष्टीकरण के लिए संबंधित मंत्रालय के पास भेजा जाएगा।

बोले- क्रिकेट से जुड़े रहना है, बिग बैश लीग के सबसे महंगे विदेशी प्लेयर बन सकते हैं

'बेन स्टोक्स इंग्लैंड का कोच बनना चाहते हैं'

इच्छा

नई दिल्ली, एजेंसी

इंग्लैंड के पूर्व टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स ने भविष्य में टीम का हेड कोच बनने की इच्छा जताई है। जून 2026 में क्रिकेट से संन्यास लेने वाले 35 साल के स्टोक्स ने कहा कि वह खेल से जुड़े रहना चाहते हैं।

इसी बीच ऑस्ट्रेलियाई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि स्टोक्स बिग बैश लीग (BBL) के इतिहास के सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी भी बन सकते हैं।

स्टोक्स ने नए टेस्ट कप्तान जो रूट को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि रूट हमेशा टीम को खुद से पहले रखते हैं और यही बात उन्हें परेशान करती है।

संन्यास के बाद भी स्टोक्स क्रिकेट से दूर नहीं होंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कई बिग बैश फ्रेंचाइजी उन्हें अपनी टीम में शामिल करना चाहती हैं। सिडनी सिक्सर्स इस दौड़ में सबसे आगे मानी जा रही है। सिडनी सिक्सर्स के पास इंग्लैंड के पूर्व व्हाइट-बॉल कोच मैथ्यू मॉट हैं। मॉट और स्टोक्स की जोड़ी ने 2022 टी-20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड को चैंपियन बनाया था।

डरहम के लिए खेलने वाले स्टोक्स का वनडे डेब्यू 2011 में हुआ था। वहीं टेस्ट डेब्यू 2013-14 की एशेज सीरीज में हुआ। वे अप्रैल 2022 से इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान रहे हैं।



ऑस्ट्रेलियाई मीडिया के अनुसार स्टोक्स को लगभग 6 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (करीब 3.4 करोड़ रुपए) का कॉन्ट्रैक्ट मिल सकता है। ऐसा हुआ तो वह बीबीएल इतिहास के सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी बन जाएंगे।

2027 एशेज को देखते हुए लिया संन्यास

स्टोक्स ने बताया कि संन्यास का फैसला उन्होंने काफी सोच-विचार के बाद लिया था। वह यह आकलन कर रहे थे कि क्या 2027 की एशेज सीरीज तक बेस्ट परफॉर्मेंस दे पाना संभव होगा। आखिरकार उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट छोड़ने का फैसला किया और कहा कि वह इस निर्णय को बदलने वाले नहीं हैं।

कोचिंग की तैयारी में जुटे स्टोक्स

'लव ऑफ क्रिकेट' पॉडकास्ट में स्टोक्स ने बताया कि वह अभी लेवल-3 कोचिंग क्वालिफिकेशन पूरा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं चाहता हूं कि जब खेलना छोड़ूं तो कोचिंग की सारी तैयारियां पूरी हों। मैं क्रिकेट से जुड़ा रहना चाहता हूं। स्टोक्स ने 122 टेस्ट, 114 वनडे और 43 टी-20 मैचों में इंग्लैंड को रिप्रेजेंट किया। उनकी कप्तानी में इंग्लैंड ने अटैकिंग बैजबॉल क्रिकेट खेली।



हैरी ब्रूक को मौका नहीं मिलने पर हैरान

पूर्व कप्तान ने यह भी कहा कि उन्हें उम्मीद थी कि उनके बाद हैरी ब्रूक को टेस्ट टीम की कमान मिलेगी। ब्रूक टीम के उप-कप्तान थे, इसलिए चयनकर्ताओं के फैसले ने उन्हें चौंकाया। उन्होंने कहा, अगर आपको लगता है कि कोई खिलाड़ी अच्छा कप्तान बन सकता है तो उसे मौका देना चाहिए। मुझे समझ नहीं आया कि ब्रूक को कप्तान न बनाकर क्या संदेश दिया गया।



जो रूट को इंग्लैंड टेस्ट टीम का कप्तान बनाया गया है।

> स्टोक्स ने कहा, मैंने जो से कहा कि मेरी एकमात्र चिंता आप हैं। पिछली बार कप्तान रहते हुए मैंने देखा था कि वह खुद पर कितना दबाव लेते थे। मैं नहीं चाहता कि वह दोबारा उसी दौर से गुजरें।



फिलीपींस की ईला ने पहला डब्ल्यूटीएटाइटल जीता

डीसी ओपन के फाइनल में एला ने जेसिका पेगुला को 4-6, 6-4, 6-0 से हराया

फिलीपींस, एजेंसी

फिलीपींस की 21 साल की टेनिस खिलाड़ी एलेक्सांद्रा ईला ने डीसी ओपन का खिताब जीत लिया है। उन्होंने बारिश की वजह से दो दिन तक चले फाइनल में टॉप सीड अमेरिका की जेसिका पेगुला को 4-6, 6-4, 6-0 से हराकर करियर का पहला WTA सिंगल्स टाइटल जीता। इसके साथ ही वह WTA सिंगल्स खिताब जीतने वाली फिलीपींस की पहली महिला खिलाड़ी बन गईं। वहीं मेन्स में अमेरिका के टेलर फ्रिटज ने स्पेन के राफेल जोडार को हराकर खिताब अपने नाम किया।

रविवार को बारिश के कारण फाइनल रोकना पड़ा था। तब जेसिका पेगुला पहला सेट 6-4 से जीत चुकी थीं, जबकि दूसरे सेट में ईला 2-1 से आगे थीं। सोमवार को खेल दोबारा शुरू होने पर ईला ने शानदार वापसी की। उन्होंने दूसरा सेट 6-4 से जीतकर मुकाबला बराबर किया। इसके बाद निर्णायक सेट में पेगुला को एक भी गेम जीतने का मौका नहीं दिया और 6-0 से सेट व मैच अपने नाम कर लिया। ईला ने लगातार आखिरी 8 गेम जीतकर खिताब पर कब्जा जमाया। जीत के बाद वह कोर्ट पर भावुक हो गईं। उनकी आंखों में आंसू थे और उन्होंने अपने करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि का जश्न मनाया।



मैच के दौरान स्टेडियम में फिलीपीन के झंडे दिखाई दिए और दर्शकों ने एला का जमकर समर्थन किया। पेगुला ने कहा कि उनके खिलाफ खेलना मजेदार नहीं था, लेकिन उन्हें वहां का माहौल बहुत अच्छा लगा। एला ने टूर्नामेंट के दौरान सभी तीन शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों को हराकर यह खिताब अपने नाम किया।

अरशद नदीम के कोच बोले पाकिस्तानी स्पोर्ट्स फेडरेशन ने दूरी बना ली थी, कॉमनवेल्थ के जेवलिन में नौवें स्थान पर रहे

'पर्याप्त तैयारी नहीं हुई'

नई दिल्ली, एजेंसी

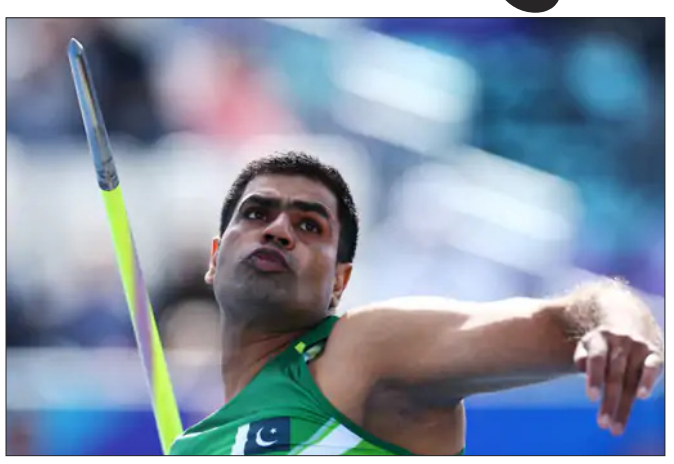
पाकिस्तानी जेवलिन थ्रोअर अरशद नदीम के कोच ने कहा है कि हमारी तैयारी पर्याप्त नहीं थी। रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि गेम्स से पहले पाकिस्तान एमेच्योर एथलेटिक्स फेडरेशन (PAAF) ने उनकी तैयारी से दूरी बना ली थी। इसके चलते नदीम को अधिकांश तैयारी अपने स्तर पर करनी पड़ी।

ओलिंपिक चैंपियन नदीम ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में अपने करियर के सबसे खराब प्रदर्शनों में से एक से गुजरे। वह 80 मीटर का आंकड़ा भी पार नहीं कर सके और नौवें स्थान पर रहे। श्रीलंका के रुमेश पाथिरागे ने गोल्ड जीता। भारत के नीरज चोपड़ा और यशवीर सिंह ने सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल हासिल किए।

अरशद नदीम के लंबे समय से कोच रहे सलमान बट ने भी माना कि ओलिंपिक चैंपियन अपने बेस्ट स्तर पर नहीं थे और कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए पर्याप्त तैयारी नहीं कर पाए थे। पूर्व पाकिस्तान एथलेटिक्स फेडरेशन अध्यक्ष अकरम साही ने भी खराब तैयारी और लापरवाही को प्रदर्शन में गिरावट की वजह बताया।

साही ने कहा, ओलिंपिक गोल्ड के बाद कुछ लोगों ने उन्हें अपने घेरे में ले लिया और मुझसे दूर कर दिया। पिछले कई महीनों से तैयारी और ट्रेनिंग में कमी साफ दिखाई दे रही थी।

नदीम के खराब प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान के खेल ढांचे पर भी सवाल उठने लगे हैं। ओलिंपिक बॉक्सिंग ब्रॉन्ज मेडलिस्ट हुसैन शाह ने कहा कि यह पाकिस्तान की खेल व्यवस्था की कमजोरियों को दिखाता है। उनका कहना है कि देश को ओलिंपिक गोल्ड दिलाने वाले खिलाड़ी को भी कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए उचित तैयारी और संसाधन नहीं मिल सके।



अरशद नदीम कॉमनवेल्थ गेम्स के टॉप-8 में जगह नहीं बना पाए थे।

> रिपोर्ट में भारत और पाकिस्तान की तैयारियों की तुलना भी की गई है। नीरज चोपड़ा ने स्विट्जरलैंड के बिएल में अपना अंतिम ट्रेनिंग ब्लॉक पूरा किया, जबकि यशवीर सिंह और रोहित यादव ने पोलैंड में विदेशी कोचों के साथ तैयारी की। इसका असर नतीजों में भी दिखा, जहां भारत ने दो पदक जीते, जबकि नदीम टॉप-8 में भी जगह नहीं बना सके।

कोचिंग विवाद के बाद कम हुआ समर्थन

PTI के मुताबिक पिछले साल नदीम के कोचिंग सेटअप को लेकर मतभेद सामने आने के बाद फेडरेशन ने उनके कार्यक्रम को पूरा समर्थन नहीं दिया। रिपोर्ट में कहा गया कि नदीम की ट्रेनिंग से जुड़े कई अनुरोधों पर ध्यान नहीं दिया गया। साथ ही पाकिस्तान स्पोर्ट्स बोर्ड ने विदेशी कोच और ट्रेनर उपलब्ध कराने के लिए भी फंड जारी नहीं किया। नदीम ने ओलिंपिक गोल्ड से पहले साउथ अफ्रीकी कोच टेर्सियस लीबेनबर्ग के मार्गदर्शन में ट्रेनिंग की थी, लेकिन इस बार वह विदेश में तैयारी करने के बजाय लाहौर में अपने पुराने कोच सलमान बट और स्थानीय ट्रेनर्स के साथ अभ्यास करते रहे।

मनोरंजन

मेरी शक्ल का गलत इस्तेमाल : मृणाल ठाकुर

सोशल मीडिया पर सुनाई खरी-खोटी?

नई दिल्ली। एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर बेबाकी से अपनी बात कहने के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में, सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीर और पहचान का इस्तेमाल करके बनाए गए कुछ AI-जनरेटेड डीपफेक वीडियो वायरल हुए।

एक्ट्रेस ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए इंस्टाग्राम (Instagram) पर एक मैसेज शेयर किया है। मृणाल ने चेतावनी दी कि अगर इस तरह के कंटेंट को आगे भी फैलाया गया, तो कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

किसी का नाम लिए बिना, मृणाल ठाकुर (Mrunal Thakur) ने डीपफेक कंटेंट बनाने और उसे शेयर करने को गैर-कानूनी बताया और लोगों से कहा कि वे बिना इजाजत उनकी शक्ल का इस्तेमाल न करें।



उन्होंने लिखा, 'मेरी शक्ल का इस्तेमाल करके डीपफेक कंटेंट बनाना या शेयर करना गैर-कानूनी और अस्वीकार्य है। इसे तुरंत रोकने के लिए मेरी तरफ से फॉर्मल नोटिस समझें। मेरी पहचान का आगे कोई भी गलत इस्तेमाल होने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी'।

AI के गलत इस्तेमाल को लेकर चिंता जताने वाली मृणाल अकेली सेलिब्रिटी नहीं हैं।

फिल्मों में वापसी करने जा रहे इमरान खान, मैच्योर रोमांटिक कॉमेडी का ऑफिशियल अनाउंसमेंट

10 साल बाद नेटफ्लिक्स पर मैच्योर रोमांटिक कॉमेडी से धमाका करेंगे इमरान

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर इमरान खान की फिल्मों में वापसी का उनके फैंस काफी इंतजार कर रहे थे। आखिरकार उन्होंने अब इसकी पुष्टि कर दी है। लगभग एक दशक के बाद वे बड़े पर्दे पर नजर आएंगे।

एक्टर इमरान खान ने आखिरकार एक दशक बाद फिल्मों में अपनी वापसी की पुष्टि कर दी है। वे 'अधूरे हम अधूरे तुम' नाम की एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म में नजर आएंगे, जो बड़े लोगों की प्रेम कहानी पर आधारित है। गुरफतेह पीरजादा स्टारर यह फिल्म अभी पोस्ट-प्रोडक्शन स्टेज में है और इस साल के आखिर में रिलीज होने वाली है।

एक्टर इमरान खान ने एक दशक बाद फिल्मों में अपनी वापसी की ऑफिशियल घोषणा कर दी है। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपनी नेटफ्लिक्स (Netflix) ओरिजिनल फिल्म 'अधूरे हम अधूरे तुम' (Adhure Hum Adhure Tum) की शूटिंग पूरी कर ली है; यह फिल्म अभी पोस्ट-प्रोडक्शन स्टेज में है और इसके इस साल के आखिर में रिलीज होने की उम्मीद है। इस अपडेट की पुष्टि करते हुए खान ने कहा, 'मैंने अभी-अभी एक नई फिल्म की शूटिंग पूरी की है। 10 साल में यह मेरी पहली फिल्म है और अभी इसका पोस्ट-प्रोडक्शन चल रहा है। इसका नाम 'अधूरे हम अधूरे तुम' है। यह नेटफ्लिक्स के लिए है और इस साल के आखिर में रिलीज होगी। यह बड़ों के लिए बनी रोमांटिक कॉमेडी है... जो मेरी मौजूदा उम्र के हिसाब से एकदम सही है'।

इमरान खान ने 2008 में जेनेलिया डिसूजा के साथ रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'जाने तू... या जाने ना' से लीड एक्टर के तौर पर डेब्यू किया था।





किस बारे में है इमरान की नई फिल्म?

इमरान खान ने हाल ही में एक खास इंटरव्यू में बताया कि यह फिल्म एक 'मैच्योर रोमांटिक कॉमेडी' है, जो उनकी जिंदगी के मौजूदा दौर को दर्शाती है। इस प्रोजेक्ट में गुरफतेह पीरजादा भी हैं। यह फिल्म 'कट्टी बट्टी' (2015) के बाद खान की लगभग दस साल बाद फिल्मों में वापसी है। 'कट्टी बट्टी' का निर्देशन निखिल आडवाणी ने किया था और इसमें इमरान के साथ कंगना रनौत भी थीं।



'उर्फी जावेद ने लिए थे 1 लाख'

सीजेपी प्रोटेस्ट को लेकर इन्फ्लुएंसर फैजान अंसारी का दावा

नई दिल्ली। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर फैजान अंसारी ने कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के संस्थापक अभिजीत दीपके के खिलाफ दिल्ली पुलिस में लिखित शिकायत दर्ज कराई है।

उन्होंने दावा किया कि दीपके से जुड़े लोगों ने उन पर हमला किया था। वहीं, उन्होंने उर्फी जावेद पर 1 लाख रुपए और पूनम पांडे पर 20 हजार रुपए लेने का भी आरोप लगाया।



न्यूज एजेंसी ANI से बातचीत में फैजान अंसारी ने कहा, 'अभिजीत दीपके के अगेंस्ट आज मैंने दिल्ली डीसीपी को लिखित शिकायत दर्ज कराई है, क्योंकि मेरे ऊपर अभिजीत दीपके के लोगों ने हमला किया था। पुणे में मेरे ऊपर अटैक हुआ, औरंगाबाद में मेरे ऊपर अटैक हुआ। पहले से ही दो केस उसके खिलाफ फाइल हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं चाहता हूं कि दिल्ली पुलिस तुरंत अभिजीत दीपके को गिरफ्तार करे, ताकि आगे कोई भी दंगा-फसाद या कोई भी समस्या न हो सके।'

फैजान अंसारी मीडिया से बात करते हुए।

फैजान अंसारी मीडिया से बात करते हुए।

वहीं, शिकायत में फैजान अंसारी ने लिखा, 'मैं आज मुंबई से दिल्ली डीसीपी के पास कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के संस्थापक अभिजीत दीपके की लिखित शिकायत करने आया हूं। अभिजीत दीपके एक पाकिस्तानी एजेंट है। उमर खालिद का समर्थक है, जिसने कहा था, 'भारत तेरे टुकड़े होंगे।' बॉलीवुड से भी सेलिब्रिटीज को अभिजीत दीपके ने पैसे देकर जंतर-मंतर बुलाया था।'

उसमें आगे लिखा, 'उर्फी जावेद ने 1 लाख रुपए लिए थे और पूनम पांडे ने 20 हजार रुपए लिए थे। मैं यह चाहता हूं कि उमर खालिद की तरह अभिजीत दीपके को भी जेल होनी चाहिए। आप प्लीज तुरंत एफआईआर करके इसे जेल भेजो। अभिजीत दीपके देश का माहौल बिगाड़ रहा है और अगर इसे नहीं रोका गया, तो यह भारत में दंगे-फसाद भी करवा देगा।'

वीडियो में मालती भी साथ में बोलती नजर आईं, एक्ट्रेस ने बताईं अपनी दो पर्सनैलिटी

प्रियंका चोपड़ा ने बेटी को सिखाए दुर्गा सप्तशती के मंत्र



नई दिल्ली। प्रियंका चोपड़ा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया। वीडियो में वह अपनी बेटी मालती मैरी को गोद में लेकर दुर्गा सप्तशती के मंत्र सिखाती नजर आ रही हैं। प्रियंका के साथ मालती मंत्र भी बोल रही हैं। वीडियो के साथ प्रियंका ने लिखा कि उनकी दो पर्सनैलिटी हैं- 'मामा' और 'मामासीटा'। वीडियो के पहले हिस्से में वह मालती के साथ समय बिताती दिखीं, जबकि दूसरे हिस्से में वह एक ड्रेस पहनकर डांस करती नजर आईं।

बता दें कि प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस ने 2018 में राजस्थान के जोधपुर स्थित उमैद भवन पैलेस में शादी की थी। सरोगेसी के जरिए बेटी मालती मैरी का जन्म 2022 में हुआ था। दोनों अक्सर सोशल मीडिया पर बेटी के साथ बिताए खास पलों की झलक शेयर करते रहते हैं। जुलाई में प्रियंका ने एक तस्वीर शेयर की थी, जिसमें मालती अपनी नानी मधु चोपड़ा के साथ पूल के किनारे टहलती नजर आई थीं। फोटो के कैप्शन में उन्होंने लिखा था, 'रियूनाइटेड'

इसके अलावा प्रियंका ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो भी शेयर किया, जिसमें मालती टीवी पर फिल्म 'गुंडे' का गाना 'तूने मारी एंट्रीयां' देखती नजर आ रही थीं।



सुप्रीम लीडर के कंट्रोल वाली इस्लामिक फोर्स ज्यादा पावरफुल, अमेरिका से बातचीत भी आईआरजीसी चीफ करेंगे

'खामेनेई के बेटे ने ईरानी राष्ट्रपति की ताकत घटाई'

दावा

ईरान, एजेंसी



ईरान में राष्ट्रपति मसूद पजशकियान के अधिकारों में बड़ी कटौती की खबर सामने आई है। इजराइली चैनल-14 की रिपोर्ट के मुताबिक, सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई ने सुरक्षा और विदेश नीति से जुड़े अहम मामलों में राष्ट्रपति की भूमिका सीमित कर दी है।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि राष्ट्रीय सुरक्षा, परमाणु कार्यक्रम और अमेरिका से बातचीत जैसे बड़े मुद्दों पर अब IRGC कमांडर अहमद वाहिदी का फैसला अंतिम माना जाएगा। यानी इन मामलों में राष्ट्रपति की मंजूरी निर्णायक नहीं रहेगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, पजशकियान लंबे समय से शिकायत कर रहे थे कि उनकी सरकार को बड़े फैसलों से दूर रखा जा रहा है। उन्होंने पहले इस्तीफे की पेशकश भी की थी। अब दावा किया जा रहा है कि सुप्रीम लीडर ने साफ कर दिया है कि रणनीतिक फैसले सेना की सलाह के मुताबिक ही लिए जाएंगे।

हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह की सितंबर 2024 में इजराइली हमले में मौत के बाद नईम कासिम को यह जिम्मेदारी मिली थी।

हिजबुल्लाह चीफ नईम कासिम ने मंगलवार को कहा कि अमेरिका और इजराइल के साथ हुए टकराव में ईरान की जीत हुई है। यह जानकारी हिजबुल्लाह समर्थक अल मयादीन नेटवर्क के हवाले से सामने आई है।

नईम कासिम ने कहा,इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान इस टकराव में जीत हासिल कर चुका है। अब इस पर बहस की कोई गुंजाइश नहीं बची कि इस संघर्ष में कौन जीता।

कासिम ने ईरान को दुनिया की एक प्रभावशाली ताकत बताया और कहा कि सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई की लीडरशिप में ईरान आगे भी जीत हासिल करेगा और आगे के मकसदों को पूरा करेगा। कासिम ने यह भी दावा किया कि अमेरिका-ईरान के बीच हुए समझौता ज्ञापन (MoU) की वजह से लेबनान पर इजराइली हमलों में कमी आई है।

ईरान में विदेश मंत्री अराघची को हटाने की तैयारी

ईरान के कुछ सांसद विदेश मंत्री अब्बास अराघची को पद से हटाने की तैयारी कर रहे हैं। ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट के मुताबिक सीनियर सांसद होसैनअली हाजीदेलिगानी ने मंगलवार को कहा, हम अराघची के खिलाफ महाभियोग लाने के लिए सबूत और जरूरी दस्तावेज जुटा रहे हैं। सही समय आने पर यह प्रक्रिया शुरू करेंगे।

हाजीदेलिगानी ने अमेरिका के साथ युद्धविराम के दौरान हुई बातचीत पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि उस समय बातचीत करना गलत था। उनके मुताबिक, बातचीत की शुरुआत दोबारा युद्ध की वजह बन सकती है।

उन्होंने यह भी कहा कि अगर कोई समझौता ईरान की संप्रभुता से समझौता करता है या उसके समुद्री क्षेत्र के किसी हिस्से पर दूसरे देश का नियंत्रण स्वीकार करता है, तो वह संविधान के खिलाफ होगा।

- लाइबेरिया के झंडे वाले कॉमर्शियल जहाज 'मिनोआन पायनियर' पर मंगलवार को ओमान तट के पास होर्मुज स्ट्रेट से गुजरते समय ड्रोन या मिसाइल से हमला हुआ।
- रॉयटर्स के मुताबिक, हमले के बाद क्रू मेंबर्स को जहाज छोड़ना पड़ा। फिलहाल एक नाविक लापता है।
- ब्रिटेन की समुद्री सुरक्षा कंपनी वैनगार्ड ने बताया कि प्रोजेक्टाइल जहाज के इंजन रूम से टकराया, जिसके बाद जहाज में आग लग गई।
- कंपनी के मुताबिक आग पर काबू पाने की कोशिश जारी है। वहीं, जहाज का थर्ड इंजीनियर अभी भी लापता बताया जा रहा है।



हिजबुल्लाह चीफ बोले- ईरान की अमेरिका पर जीत हुई

हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह की सितंबर 2024 में इजराइली हमले में मौत के बाद नईम कासिम को यह जिम्मेदारी मिली थी।

हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह की सितंबर 2024 में इजराइली हमले में मौत के बाद नईम कासिम को यह जिम्मेदारी मिली थी।

हिजबुल्लाह चीफ नईम कासिम ने मंगलवार को कहा कि अमेरिका और इजराइल के साथ हुए टकराव में ईरान की जीत हुई है। यह जानकारी हिजबुल्लाह समर्थक अल मयादीन नेटवर्क के हवाले से सामने आई है।

नईम कासिम ने कहा,इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान इस टकराव में जीत हासिल कर चुका है। अब इस पर बहस की कोई गुंजाइश नहीं बची कि इस संघर्ष में कौन जीता।

कासिम ने ईरान को दुनिया की एक प्रभावशाली ताकत बताया और कहा कि सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई की लीडरशिप में ईरान आगे भी जीत हासिल करेगा और आगे के मकसदों को पूरा करेगा। कासिम ने यह भी दावा किया कि अमेरिका-ईरान के बीच हुए समझौता ज्ञापन (MoU) की वजह से लेबनान पर इजराइली हमलों में कमी आई है।

फास्ट न्यूज

आतंक के आकाओं में भरा खौफ

नई दिल्ली । पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के वरिष्ठ कमांडर रिजवान हनीफ के एक वीडियो में दावा किया गया है कि पिछले कुछ वर्षों में संगठन के 30 से अधिक आतंकियों की लक्षित हत्याएं हुई हैं। उसने इन घटनाओं के लिए भारतीय खुफिया एजेंसियों को जिम्मेदार ठहराया, लेकिन अपने आरोपों के समर्थन में कोई सबूत नहीं दिया। भारत सरकार पहले भी ऐसे आरोपों को निराधार बता चुकी है।

'देसी ब्लिंग' स्टार सतीश सनपाल की यूएई में संपत्ति जब्त

अबू धाबी। नेटफ्लिक्स पर जब 'देसी ब्लिंग' रिलीज हुई, तो सतीश और तबिंदा सनपाल की आलीशान जदगी तुरंत चर्चा का विषय बन गई। सतीश सनपाल और तबिंदा के लाइफस्टाइल ने लाखों लोगों का ध्यान खींचा, लेकिन इनके लिए यही लग्जरी लाइफ अब एक बड़ा रोड़ा बन गई है। UAE की फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट (FIU) ने 13 जुलाई को सतीश सनपाल, उनकी पत्नी तबिंदा और उनसे जुड़ी कंपनियों की संपत्ति को अस्थायी रूप से फ्रीज करने का आदेश दिया है।

अफ्रीका में भीषण हादसा

कम्पाला । युगांडा में एक यात्री वैन और रेत ले जा रहे ट्रक के बीच टक्कर हो गई। इसमें कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी पुलिस ने दी। यह हादसा सोमवार रात कालुंगु जिले के कमुंगा ट्रेडिंग सेंटर इलाके में एक राजमार्ग पर हुआ। पुलिस ने एक बयान में कहा कि मरने वाले सभी लोग वैन में सवार यात्री थे। वहीं, चार अन्य घायल हो गए। अफ्रीका भर में सड़क दुर्घटनाएं एक समस्या हैं और युगांडा में ये आम हैं।

सूडान के दारफुर में सिविल कोर्ट पर सेना का ड्रोन हमला

काहिरा, एजेंसी



सूडान के दारफुर क्षेत्र में एक सिविल कोर्ट पर सेना के ड्रोन हमले में 35 लोग मारे गए। एक मानवाधिकार समूह ने यह जानकारी दी है।

सूडान में अत्याचार के मामलों का रिकार्ड रखने वाले स्वतंत्र समूह इमरजेंसी लायर्सइ ने रविवार को बताया कि सूडानी सेना के ड्रोन हमले में उत्तर दारफुर के अल-जविया गारा गांवा के सिविल कोर्ट के मुख्यालय को निशाना बनाया गया। यह इलाके में महत्वपूर्ण न्यायिक और सामाजिक सेवा प्रदान करता है। समूह ने एक बयान में कहा, इनागरिकों और नागरिक ढांचों पर हमले करना अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून का घोर उल्लंघन है।इ सूडानी सेना की ओर से अभी कोई बयान नहीं आया है।

संघर्ष निगरानी समूह आर्म्ड कान्फ्लिक्ट लोकेशन एंड इवेंट डाटा के अनुसार, अप्रैल, 2023 में अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज और सूडानी सेना के बीच छिड़े युद्ध में अब तक 59 हजार लोग मारे जा चुके हैं। जबकि सहायता समूहों का कहना है कि वास्तव में यह संख्या कई गुना अधिक हो सकती है।

काहिरा, एपीः सूडान के दारफुर क्षेत्र में एक सिविल कोर्ट पर सेना के ड्रोन हमले में 35 लोग मारे गए। एक मानवाधिकार समूह ने यह जानकारी दी है।सूडान में अत्याचार के मामलों का रिकार्ड रखने वाले स्वतंत्र समूह इमरजेंसी लायर्सइ ने रविवार को बताया कि सूडानी सेना के ड्रोन हमले में उत्तर दारफुर के अल-जविया गारा गांवा के सिविल कोर्ट के मुख्यालय को निशाना बनाया गया।

आरबीआई ने एफडी के नए नियम जारी किए

स्मॉल-फाइनेंस-बैंकों को अब ब्याज दर की पूरी जानकारी पहले देनी होगी

नई दिल्ली, एजेंसी

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) ने देश के प्रमुख स्मॉल फाइनेंस बैंकों (SFBs) में फिक्स्ड डिपॉजिट (FD) कराने वाले निवेशकों के लिए नई गाइडलाइंस जारी की हैं। अब स्मॉल फाइनेंस बैंकों के ग्राहकों को ब्याज दर की पूरी जानकारी पहले मिलेगी।

ये बदलाव रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया सेकेंड अमेंडमेंट डायरेक्टंस-2026 के तहत किए गए हैं। यह नए नियम और रेगुलेशंस 1 अक्टूबर 2026 से लागू हो गए हैं।

RBI के इस कदम का मकसद देशभर के स्मॉल फाइनेंस बैंकों में FD में निवेश करने वाले डिपॉजिटर्स के लिए सिस्टम में ज्यादा स्पष्टता, पारदर्शिता और निष्पक्षता लाना है। RBI ने साफ तौर पर कहा है कि डिपॉजिट इंटरेस्ट रेट्स बैंक की सभी ब्रांच और सभी ग्राहकों के लिए एक समान होनी चाहिए। बैंक एक ही तारीख को स्वीकार किए गए समान राशि के डिपॉजिट्स पर अलग-अलग दरें ऑफर नहीं कर सकते। इससे ग्राहकों के साथ किसी भी ब्रांच या प्रोफाइल के आधार पर भेदभाव नहीं होगा और सभी को समान अधिकार मिलेगा। एडवांस डिस्क्लोजर, एक समान प्राइसिंग और बल्क डिपॉजिट के लिए रेगुलेटेड छूट को लागू करके यह नया फ्रेमवर्क एक तरफ जहां डिपॉजिटर्स के हितों की रक्षा करेगा।



बल्क डिपॉजिट रेट्स अपडेट करने का समय तय

बल्क डिपॉजिट के लिए स्मॉल फाइनेंस बैंकों को हर बिजनेस डे यानी कामकाजी दिन में सुबह 10:00 बजे अपनी वेबसाइट पर लागू ब्याज दरें जारी करनी होंगी। इसमें 10 मिनट का ग्रेस पीरियड दिया जाएगा, यानी बैंक सुबह 10:10 बजे तक अपनी दरें अपडेट कर सकेंगे। शेड्यूल कॉमर्शियल बैंकों और स्मॉल फाइनेंस बैंकों के लिए 3 करोड़ या उससे ज्यादा की सिंगल रुपए टर्म डिपॉजिट को बल्क डिपॉजिट माना जाता है।

नए फ्रेमवर्क के तहत अब स्मॉल फाइनेंस बैंकों को अपना डिपॉजिट इंटरेस्ट रेट शेड्यूल पहले से पब्लिश करना होगी। रेगुलर और बल्क डिपॉजिट पर दिया जाने वाला ब्याज बैंक की वेबसाइट पर दिखाई गई दरों के अनुसार ही होना चाहिए। इस कदम से ग्राहकों को अलग-अलग बैंकों की एफडी दरों की तुलना करने में आसानी होगी।

बल्क डिपॉजिट के लिए अलग दरों की इजाजत

यूनिफॉर्मिटी यानी समानता का नियम सामान्य या रेगुलर डिपॉजिट पर लागू रहेगा। हालांकि, स्मॉल फाइनेंस बैंक बल्क डिपॉजिट्स पर अलग-अलग ब्याज दरों की पेशकश कर सकते हैं। इन नियमों को बैंक को पहले से स्पष्ट करना होगा।

दरों में यह अंतर RBI के रेगुलेटरी फ्रेमवर्क के तहत डिपॉजिट की स्थिरता और लिक्विडिटी आवश्यकताओं जैसे फैक्टर्स पर आधारित हो सकता है। यह छूट नॉन-रेजिडेंट ग्राहकों से मिलने वाले बल्क डिपॉजिट पर भी लागू होगी।

पाकिस्तान ने अल जजीरा की वेबसाइट को ब्लॉक किया गुलाम कश्मीर में प्रदर्शनों पर रिपोर्टिंग बनी वजह

पीओके की सच्चाई दिखाने पर भड़का पाकिस्तान

इस्लामाबाद, एजेंसी



पाकिस्तान ने अल जजीरा की वेबसाइट को ब्लॉक कर दिया है। पाकिस्तान में कई यूजर्स सोशल मीडिया पर दावा कर रहे हैं कि वे अल जजीरा की वेबसाइट नहीं खोल पा रहे हैं।

गुलाम कश्मीर (PoK) में सरकार विरोधी और चुनाव से जुड़े विरोध-प्रदर्शनों पर दिखाई गई सच्चाई पाकिस्तान को रास नहीं आई, इसलिए पाकिस्तान ने कतर के इस ब्रॉडकास्टर को ब्लॉक कर दिया है। पाक सरकार की तरफ आरोप लगाते हुए आगे कहा गया, 'सोच-समझकर चुने गए समय और कुछ खास लोगों के पहले से तय बयानों के जरिए, चैनल ने AJK चुनावों और वोटिंग प्रक्रिया को गलत तरीके से पेश करने की कोशिश की है।'

पाकिस्तान की तरफ से कहा गया, 'इस तरह की येलो जर्नलिज्म सिर्फ उन बाहरी ताकतों के एजेंडे की पुष्टि करती है जिनका अपना स्वार्थ है और जो इस चुनावी प्रक्रिया को अवैध ठहराने और मुजफ्फराबाद व AJK के लोगों की इच्छा को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। लोगों ने आज अराजकता और जबरदस्ती को नकार कर इसे साफ तौर पर दिखाया है।'

पाकिस्तान ने कतर के इस ब्रॉडकास्टर पर येलो जर्नलिज्म करने का भी आरोप लगाया। 'येलो जर्नलिज्म' शब्द ऐसी रिपोर्टिंग के लिए इस्तेमाल होता है जिसमें पाठकों को चौंकाने के लिए बातों को बढ़ा-चढ़ा-कर बताया जाता है।

पाकिस्तान ने 'येलो जर्नलिज्म' का आरोप लगाया

पीओके पर रिपोर्ट छापने को लेकर कार्रवाई

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सरकार ने अभी तक इस ब्रॉडकास्टर पर कोई औपचारिक प्रतिबंध लगाने की घोषणा नहीं की है, लेकिन पाक यूजर्स सोशल मीडिया पर वेबसाइट न खुलने के बारे में बता रहे हैं।

इन सभी बातों के बीच पाकिस्तान के सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने अल जजीरा की रिपोर्टिंग की आलोचना की है और मीडिया संगठन पर चुनावों और वोटिंग प्रक्रिया को गलत तरीके से पेश करने का आरोप लगाया है। पाकिस्तान के सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने अपने सोशल मीडिया हैंडल X पर बयान जारी करते हुए कहा, 'हमने आज मुजफ्फराबाद के कुछ खास पोलिंग स्टेशनों से अल जजीरा की चुनिंदा रिपोर्टिंग पर ध्यान दिया है।'

ईरान पर हमले के लिए यूएस आर्मी ने दिए सैनिकों को टिप्स

वाशिंगटन, एजेंसी

यूएस सेंट्रल कमांड ने ईरान पर हमला करने के लिए नए और क्रिएटिव तरीके खोजना शुरू कर दिया है। दावा है कि इसके लिए मिडिल ईस्ट में तैनात इस अमेरिकी कॉम्बैट यूनिट ने मिलिट्री एनालिस्ट्स के एक बड़े ग्रुप से संपर्क किया है।

अमेरिकी न्यूज चैनल सीएनएन की एक रिपोर्ट के अनुसार, यूएस सेंट्रल कमांड के एक अधिकारी ने कहा कि ईरान से निपटने के लिए नए आइडिया लाने के लिए सैनिकों के साथ एक ब्रेनस्टॉर्मिंग सेशन शुरू किया गया है। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा है कि ट्रंप ने पास ईरान के साथ डील करने के लिए अब बेहद ही सीमित विकल्प बचे हैं। ट्रंप ने पिछले हफ्ते भी ईरान पर भयंकर हमले करने की चेतावनी दी थी। लेकिन सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान अल सऊद के फोन के बाद उन्होंने इन हमलों को रद कर दिया था। ट्रंप बार-बार ईरान पर हमले तेज करने की धमकी दे रहे हैं, लेकिन अमेरिका के सबसे शक्तिशाली हथियारों से भी बहुत ज्यादा कुछ हासिल नहीं हो पा रहा है। सूत्रों ने कहा कि अमेरिका को शायद अब जमीन पर सैनिक उतारने पड़ें, लेकिन ट्रंप इसके लिए तैयार नहीं हैं। ईरान पर हमलों का कोई उचित परिणाम नहीं दिखने पर ट्रंप सिर्फ एक प्रतीकात्मक जीत के साथ युद्ध खत्म करने पर भी विचार कर रहे हैं। एक सूत्र ने कहा कि ट्रंप ऐसी जगह पर हमला कर सकते हैं, जिसे पहले भी निशाना बनाया गया हो, ताकि एक प्रतीकात्मक जीत मिल सके और वे युद्ध से बाहर निकल सकें।

'क्रिएटिव बनें और कुछ नया सोचें'



आरोप : आपराधिक आरोपों के चलते कार्रवाई, इनमें भारतीय मूल के नरिंदर सिंह भी शामिल हैं

भारतीय मूल के व्यक्ति समेत 25 लोगों की नागरिकता रद करेगा अमेरिका

वॉशिंगटन, एजेंसी



अमेरिका ऐसे 25 नागरिकों की नागरिकता रद कर रहा है जिन्होंने बाद में नागरिकता हासिल की। इनमें भारतीय मूल का एक व्यक्ति भी शामिल है। इन लोगों पर पहचान छिपाने या गलत जानकारी देने से लेकर हत्या की कोशिश और बच्चों के यौन शोषण जैसे आरोप लगे हैं।

अमेरिका के न्याय विभाग (DoJ) ने डेलावेयर जिले के रहने वाले 65 वर्षीय नरिंदर सिंह पर आरोप लगाया है कि उन्होंने अमेरिका में दाखिला पाने के लिए फर्जी पहचान का इस्तेमाल किया था। न्याय विभाग के मुताबिक, नरिंदर सिंह ने 1996 से अमेरिका में दाखिला पाने के लिए दो पहचानों का इस्तेमाल किया और 1 मई, 2008 को अमेरिकी नागरिक बन गए। उनके खिलाफ शिकायत में कई गलत जानकारी देने और गैर-कानूनी काम करने के सात आरोप लगाए गए हैं, जो उनके नैतिक चरित्र पर बुरा असर डालते हैं।

ब्लैंच ने आगे कहा, आज की फाइलिंग डिपार्टमेंट के इतिहास में नागरिकता रद करने की सबसे बड़ी समन्वित कोशिश है लेकिन यह सिर्फ शुरुआत है। जस्टिस डिपार्टमेंट नागरिकता प्रक्रिया की शुचिता और अमेरिकी लोगों की सुरक्षा की रक्षा के लिए उपलब्ध हर साधन का इस्तेमाल करना जारी रखेगा। इन 25 लोगों के खिलाफ कई तरह की शिकायतें हैं, जिनके आधार पर जस्टिस डिपार्टमेंट का मानना है कि उन्हें अमेरिकी नागरिकता पाने या उसे बनाए रखने के लिए अयोग्य ठहराया जाना चाहिए था। इन शिकायतों में हत्या की कोशिश, बच्चों का यौन शोषण, घरेलू हिंसा, शादी के नाम पर धोखाधड़ी, पहचान से जुड़ी धोखाधड़ी, पासपोर्ट धोखाधड़ी, बैंक और क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी और बिना लाइसेंस के मेडिकल प्रैक्टिस करने जैसे अपराधों के आरोप शामिल हैं।

17 देश और 25 लोग

अपनी पहचान के बारे में गलत जानकारी देने के आरोप में जिन 25 लोगों के खिलाफ नागरिकता रद करने की प्रक्रिया शुरू की गई है, उनमें पाकिस्तानी मूल के दो व्यक्ति जिया मुराद भट्टी और मोहम्मद वासिफ भी शामिल हैं। इन 25 लोगों के खिलाफ शिकायतें 20 जुलाई से 3 अगस्त के बीच दर्ज की गई थीं। इस लिस्ट में मोल्दोवा, मैक्सिको, कोलंबिया, नाइजीरिया, लाइबेरिया, घाना, जमैका, ताइवान, होंडुरास, कैमरून, जॉर्डन, क्यूबा, अल साल्वाडोर, हैती और स्वीडन के ऐसे लोग भी शामिल थे जिन्हें बाद में अमेरिका की नागरिकता मिली थी।

ट्रंप ने तेज की कोशिशें

25 नए मामलों के साथ 20 जनवरी 2025 से जस्टिस डिपार्टमेंट की ओर से नागरिकता रद करने के लिए दायर किए गए मामलों की कुल संख्या 123 हो गई है। ट्रंप प्रशासन उन लोगों की नागरिकता छीनने की कोशिशें तेज कर रहा है, जिनके बारे में उसका कहना है कि उन्होंने इसे गैर-कानूनी तरीके से हासिल किया था। कार्यवाहक अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लैंच ने एक बयान में कहा, अमेरिकी नागरिकता हमारे देश के सबसे बड़े विशेषाधिकारों में से एक है और इसे कानूनी और ईमानदारी से ही हासिल किया जाना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि नई शिकायतों में आरोप लगाया गया है कि इन लोगों ने धोखाधड़ी, जानकारी छिपाने या अन्य गैर-कानूनी तरीकों से नागरिकता हासिल की जिसमें हिंसक अपराधों, बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों, फर्जी पहचान और अयोग्य ठहराने वाली अन्य बातों को छिपाना शामिल है।

पीओके में पाकिस्तान की करतूत पर हो रही दुनियाभर में बुराई

'गैरकानूनी हिंसा का लंबा इतिहास'

इस्लामाबाद, एजेंसी



पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में तथाकथित विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। इस दौरान बर्बरता, हिंसा और अशांति की खबरें सामने आ रही हैं। मानवाधिकार और प्रेस की आजादी पर नजर रखने वाली वैश्विक संस्थाओं ने प्रदर्शनकारियों और मीडिया पर बढ़ती सख्ती को लेकर चिंता जताई है। एमनेस्टी इंटरनेशनल और कमेटी टू प्रोटेक्ट जर्नलिस्ट्स (सीपीजे) जैसी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने सरकार समर्थित हिंसा, स्वतंत्र रिपोर्टिंग पर रोक, पत्रकारों के जबरन गायब होने और लंबे समय तक इंटरनेट बंद रहने जैसे आरोपों पर चिंता जाहिर की है।

इन संस्थाओं ने पाकिस्तानी अधिकारियों से सख्ती खत्म करने, संचार सेवाएं बहाल करने और कथित मानवाधिकार उल्लंघनों की पारदर्शी जांच सुनिश्चित करने की अपील की है। रावलकोट में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ अत्यधिक बल प्रयोग की खबरों का जिक्र करते हुए एमनेस्टी इंटरनेशनल ने कहा कि ये घटनाएं प्रदर्शनकारियों के खिलाफ गैर-कानूनी हिंसा के पाकिस्तान के पुराने रिकॉर्ड को दर्शाती हैं।

एमनेस्टी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, रावलकोट से आ रही परेशान करने वाली खबरें, प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पाकिस्तानी अधिकारियों की गैरकानूनी हिंसा के लंबे इतिहास से मेल खाती हैं। प्रदर्शनकारियों के खिलाफ सुरक्षा बलों द्वारा बल प्रयोग की तुरंत, स्वतंत्र और पारदर्शी जांच का आदेश दिया जाना चाहिए।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।

मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676